आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शुक्रवार 07 अगस्त 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 242
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

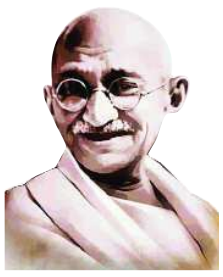

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

रीगल चौराहा बनेगा नया आकर्षण

पेज-2

अल्काराज सिनसिनाटी खिताब से बाहर रहेंगे

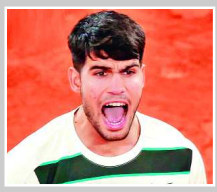

पेज-5

ठेले-गुमटियों पर घमासान : नेता प्रतिपक्ष-अपर आयुक्त में बहस

पेज-6

ये हैं इंदौर नगर निगम की सच्चाई ...

रिकॉर्ड से छेड़छाड़, फाइल गायब वेतन गड़बड़ी और संदिग्ध बहाली

इंदौर नगर निगम में यह पूरा घटनाक्रम अब केवल कुछ अलग-अलग मामलों का समूह नहीं, बल्कि नगर निगम की प्रशासनिक विश्वसनीयता की परीक्षा बन चुका है। निगम प्रशासन ने कई जगह जांच, निलंबन और सूची संशोधन जैसी कार्रवाइयां की हैं, लेकिन अभी भी कई प्रश्नों के उत्तर बाकी है।

कृष्णपाल सिंह : 9926007727

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर नगर निगम में ऐसे लग रहा है कि भ्रष्टाचारियों का स्वर्णिम कार्यकाल...। कई सारे गंभीर मामले सामने आए है, जिसमें मनमाफिक तरीके से बेखौफ होकर काम को अंजाम दिया गया। फिर बात सरकारी रिकॉर्ड में छेड़छाड़, संपत्तियों के नामांतरण में फर्जीवाड़ा, करोड़ों के टैक्स से जुड़ी मूल फाइल का गायब होना, वेतन भुगतान में बैंक खातों की अदला-बदली और विवादित कर्मचारियों के नाम सूची में शामिल होना, मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीन का टेंडर फिर से जारी कर भंगार मशीनों को प्राथमिकता देने जैसे मामलों ने निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

सबसे बड़ा सवाल 354 कथित फर्जी नामांतरण मामलों को लेकर अब तक एफआईआर दर्ज न होने पर उठ रहा है। यदि जांच में अनियमितताओं के संकेत मिले हैं, तो कार्रवाई में देरी क्यों...? और यदि मामला इतना गंभीर नहीं है, तो फिर सार्वजनिक रूप से स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं की जा रही...? यही वजह है कि यह प्रकरण अब केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि निगम व्यवस्था की विश्वसनीयता से जुड़ा मुद्दा बनता जा रहा है।

सवाल जो जवाब मांगते हैं...

- 354 नामांतरण मामलों में अब तक एफआईआर क्यों नहीं ?
- क्या निगम की डिजिटल संपत्ति प्रणाली सुरक्षित है ?
- रिकॉर्ड रूम और फाइल प्रबंधन की जवाबदेही किसकी है ?
- वेतन भुगतान प्रणाली में बैंक खाते बदलने की अनुमति किस स्तर पर मिली?
- विवादित कर्मचारियों के नाम सूची में कैसे शामिल हुए?

केस-1

354 फर्जी नामांतरण, 51 संपत्तियों की रजिस्ट्री तक

चार माह पहले सामने आए फर्जी नामांतरण प्रकरण में कई संपत्ति मालिकों को यह तक पता नहीं चला कि उनकी संपत्तियों का नाम रिकॉर्ड में बदल दिया गया है। 354 मामलों में नामांतरण किए गए, जिनमें से 51 मामलों के आधार पर रजिस्ट्री भी हो गई। यह मामला इसलिए अधिक गंभीर माना जा रहा है, क्योंकि इसमें किसी भौतिक कब्जे की नहीं, बल्कि सरकारी रिकॉर्ड और कंप्यूटर प्रणाली के माध्यम से मालिकाना हक बदल दिए।

■ **मौजूदा स्थिति** : जांच में कुछ दलालों और निचले स्तर के कर्मचारियों के नाम सामने आने की बात कही जा रही है। हालांकि अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई है।

केस-2

मस्टर कर्मचारियों के वेतन में हेरफेर

मस्टर कर्मचारियों के वेतन भुगतान की जांच में पांच कर्मचारियों के बैंक खाते बदलकर करीब 3 लाख किसी अन्य खाते में ट्रांसफर कर दिए। एनईएफटी फाइल फेल होने के बाद लेखा विभाग ने जांच की, जिसमें बैंक विवरण में बदलाव पाए गए।

■ **मौजूदा स्थिति** : निगम कमिश्नर ने दो कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने और एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। सात दिन में रिपोर्ट देने के लिए जांच समिति गठित की गई है।

केस-3

अग्रवाल पब्लिक स्कूल की मूल फाइल गायब

संपत्तिकर से जुड़े मामले में करोड़ों रुपये की टैक्स राहत दिए जाने के बाद मूल फाइल निगम रिकॉर्ड से गायब हो गई। मामले में मुख्यालय एआरओ सस्पेंड हुआ था, जिसने राजनीतिक दबाव में निर्णय लेने की बात स्वीकार की। मामले की जांच के बाद अचानक फाइल गायब हो गई। कमिश्नर ने मामले में थोड़ी सख्ती दिखाई तो अचानक से फोटो कॉपी प्रकट हो गई। ये उपलब्ध कराने वाले ने ही मूल फाइल किसी खास ठीये पर पहुंचाई थी।

■ **मौजूदा स्थिति** : निगम प्रशासन ने स्कूल के विरुद्ध नई डिमांड जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

केस-4

मृत, सेवानिवृत्त और बर्खास्त कर्मचारी सूची में शामिल

1 जुलाई को जारी 535 विनियमित कर्मचारियों की सूची में ऐसे नाम भी पाए गए जो सेवा से बाहर हो चुके थे, सेवानिवृत्त थे, बर्खास्त किए जा चुके थे या जिनका निधन हो चुका था। इसमें ड्रेनेज घोटाले का शातिर राजकुमार सालवी से लेकर स्थापना विभाग में गलत जानकारी देने के मामले में बर्खास्त हुए अतुल वाजपेयी सहित अन्य नाम शामिल थे। विवाद बढ़ने के बाद निगम कमिश्नर ने सूची की समीक्षा कर 41 नाम हटाए और संशोधित सूची जारी कराई।

■ **मौजूदा स्थिति** : 494 कर्मचारियों की नई सूची जारी की गई है। जिम्मेदार अफसर को तीन कर्मचारियों के बीच जमकर फटकार लगाई।

केस-5

सिटी फॉरेस्ट में अवैध लकड़ी बेचने का खेल

उद्यान विभाग के सिटी फॉरेस्ट से लकड़ी बेचने का मामले सामने आने के बाद एक कर्मचारी को सस्पेंड कर दिया, जबकि अन्य मस्टरकर्मी को बचाने के आरोप लगने लगे। इस पूरे मामले में अन्य संदिग्ध कर्मचारी पर अब तक कार्रवाई नहीं हुई थी, जबकि संबंधित एडिशनल कमिश्नर श्रृंगार श्रीवास्तव, उद्यान अधिकारी शांतिलाल यादव के पास प्रमाण मौजूद हैं, जिमसें खुलकर डिमांड की जा रही है। इसी आधार पर जानकारी कमिश्नर तक पहुंचाई गई और तत्काल कार्रवाई कर दी गई।

■ **मौजूदा स्थिति** : कमिश्नर ने मामला संज्ञान में लेते हुए तत्काल प्रभाव से एक कर्मचारी को सस्पेंड कर दिया था, जबकि दूसरे संदिग्ध कर्मचारी की सेवा समाप्त कर दी है। हालांकि राजनीतिक हस्तक्षेप हुआ, लेकिन कमिश्नर डटे रहे और कठोर निर्णय ले लिया।

केस-6

मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीन का टेंडर फिर से

इंदौर नगर निगम में मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीन के टेंडर में फिर से झोल कर सात साल पुरानी मशीनों को ही प्राथमिकता में रखा। एसबीएम का एक शातिर जो टेंडर को लेकर लगातार प्रयास कर रहा है कि उसकी खास एजेंसी को ठेका मिल जाए, इसलिए वो एड़ी चोटी का जोर लगा रहा है। टेंडर निरस्त होने के कुछ दिनों के भीतर दोबारा लगा दिया। इसी शख्स ने आईएएस अफसरों को बताया गया कि मुम्बई में मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीन की राशि 2200 से 2300 रुपए प्रति किमोमीटर है और इंदौर में भी इसी राशि में स्वीपिंग चलाई जा सकती है। इसीलिए 38 करोड़ के टेंडर में 32 प्रतिशत राशि अधिक डलवाई गई थी और ये शातिर अफसरों पर दबाव बना रहा था कि टेंडर खोल दिया जाए, लेकिन अफसरों ने स्पष्ट इनकार कर दिया।

■ **मौजूदा स्थिति** : फिर से टेंडर को पुरानी शर्तों के आधार पर जारी कर दिया है और अपनी खास एजेंसी के माध्यम से रेट थोड़े कम डलवाए जाएंगे। हालांकि ये मामला कई अफसरों को उलझा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

- रांची : अनशनकारी राहुल की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल ले जाया गया
- थाइलैंड के स्कूल में फायरिंग, छात्र ने चलाई गोलियां, कई लोगों के हताहत होने की आशंका
- थोड़ी देर में मकर द्वार पर INDIA गठबंधन का प्रदर्शन, अमित शाह के बयान की मांग
- परिसीमन पर DMK का रुख कायम, उदयनिधि बोले- विरोध जारी रहेगा
- महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की पीएम मोदी से मुलाकात आज
- उत्तराखंड : हरिद्वार में गंगा उफान पर, जलस्तर में बढ़ोतरी
- उत्तर प्रदेश : लखनऊ में चलती कार में लगी आग, युवक की जिंदा जलकर मौत
- आर. प्रज्ञानानंद ने जीता 2026 सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज़ खिताब
- असम में बाढ़ का कहर जारी, मरने वालों की संख्या 97 हुई
- यूपी के प्रयागराज में राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को मिली मंजूरी
- सीरिया : दमिश्क के पास ड्रूज़ इलाके में बम धमाका, 2 की मौत, 14 घायल
- META को तगड़ा झटका, लगा 5,000 करोड़ का जुर्माना

अवैध कॉलोनी में प्लाट, मकान लेने से बचाएगा क्रॉप्स पोर्टल

400 से ज्यादा कॉलोनियों की जानकारी पोर्टल पर डाली

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● अवैध कॉलोनियों को लेकर प्रशासन एक साथ कई मोर्चों पर काम कर रहा है। जहां कॉलोनाइजरों को घेरा जा रहा है, वहीं लोगों को अवैध कॉलोनी में प्लॉट लेने से बचाने के लिए पोर्टल भी सार्वजनिक कर रहा है। यह पोर्टल जल्द ही आम जनता के लिए उपलब्ध होगा। जिसमें वे अपने वैध-अवैध कॉलोनी की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर तो चलाया ही जा रहा है।

जिले में अवैध कालोनियों की भरमार है, लेकिन पिछले एक साल में अवैध कॉलोनियों पर लगातार कार्रवाई जारी है। लेकिन इस बीच कलेक्टर शिवम वर्मा के नेतृत्व में एक विशेष पोर्टल तैयार कर रहा है, जिसमें वैध कॉलोनियों की जानकारी रहेगी। कलेक्टर वर्मा ने बताया कि अवैध कॉलोनी में प्लाट लेने से धोखे से बचाने के लिए हम जल्द ही क्रॉप्स पोर्टल लेकर आ रहे है। प्रशासन जल्द ही क्रॉप्स पोर्टल का एक्सेस भी सार्वजनिक करेगा, जिससे प्लॉट खरीदने से पहले एक क्लिक में पता चल जाएगा कि कॉलोनी वैध है या अवैध। ऐसे में लोग धोखाधड़ी से बच सकेंगे। जिला प्रशासन क्रॉप्स पोर्टल का एक्सेस आम लोगों को देने की तैयारी कर रहा है। इसके बाद कोई भी व्यक्ति प्लॉट खरीदने से पहले पोर्टल पर जांच सकेगा कि संबंधित कॉलोनी अवैध कॉलोनियों की सूची में तो शामिल नहीं है। इसके लिए पोर्टल में जरूरी बदलाव किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का शुभारंभ

आज सुबह कमिश्नर, कलेक्टर सहित अन्य अधिकारी बस से अंबा चंदन के लिए रवाना

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का आज शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर संभागायुक्त भास्कर लक्षकार, कलेक्टर शिवम वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु प्रजापति सहित जिला प्रशासन के सभी वरिष्ठ अधिकारी आज सुबह कलेक्टर कार्यालय परिसर से एक साथ बस में सवार होकर ग्राम अंबा चंदन के लिए रवाना हुए। अधिकारी अभियान के तहत अंबा चंदन गांव में पहुंचकर वहां आयोजित कार्यक्रम एवं जनकल्याण शिविर में सहभागिता कर व्यवस्थाओं का अवलोकन करेंगे।

अभिजीत दीपके ने पीएम मोदी के सामने रखी बड़ी डिमांड

नई दिल्ली (एजेंसी) ● जंतर मंतर पर प्रोटेस्ट करने के बाद अब कॉकरोच जनता पार्टी नए मुद्दों पर बातचीत कर रही है। सीजेपी की कोर टीम की बैठक अभिजीत दीपके के घर हुई थी। इस मीटिंग में उन्होंने आगे कैसे काम करना है इस पर प्लान किया। इसके बाद दीपके ने पीएम मोदी से 15 अगस्त की स्पीच को लेकर एक रिक्वेस्ट की है। उन्होंने कहा है कि वो चाहते हैं इस बार पीएम मोदी जेन जी और यूथ के बारे में बात करें। अभिजीत दीपके ने कहा- 15 अगस्त आ रहा है, हर साल हमारे पीएम रेड फोर्ट से भाषण देते हैं। हम चाहते हैं इस बार की स्पीच जेन जी और यूथ के लिए हो। पीएम अपनी स्पीच में बताएं की वह जेन जी और यूथ के लिए क्या कर रहे हैं और कैसे उनको एक बेहतर भविष्य दे सकते हैं।

अब नहीं अटकेगा रजिस्ट्री का काम, किसी भी सब-रजिस्ट्रार के पास पहुंचेगी आपकी फाइल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश सरकार ने फेसलेस रजिस्ट्री व्यवस्था को और तेज और प्रभावी बनाने के लिए बड़ा बदलाव किया है। दरअसल अब किसी जिले में काम का दबाव ज्यादा होने पर आपकी फेसलेस रजिस्ट्री की फाइल दूसरे जिले के उपलब्ध सब-रजिस्ट्रार के पास भेजी जा सकेगी।

अब नहीं अटकेगा रजिस्ट्री का काम, किसी भी सब-रजिस्ट्रार के पास पहुंचेगी आपकी फाइल, जानिए फेसलेस रजिस्ट्री से आम लोगों को क्या होगा फायदा? मध्य प्रदेश में फेसलेस रजिस्ट्री व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सरकार ने नया नियम लागू किया है। दरअसल अब प्रदेश का कोई भी सब-रजिस्ट्रार किसी

भी जिले की फेसलेस रजिस्ट्री और अन्य फेसलेस दस्तावेजों का पंजीयन कर सकेगा। बता दें कि सरकार का उद्देश्य लंबित मामलों को कम करना, ऑनलाइन प्रक्रिया को तेज करना और लोगों को समय पर सेवाएं उपलब्ध कराना है। दरअसल रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 की धारा-6 के तहत किए गए संशोधन के बाद पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग के अधिकारियों का अधिकार क्षेत्र पूरे प्रदेश के सभी उपजिलों तक बढ़ा दिया गया है। यह व्यवस्था केवल फेसलेस रजिस्ट्री और अन्य फेसलेस दस्तावेजों के लिए लागू होगी।

फरवरी 2026 में शुरू किए गए साइबर सब-रजिस्ट्रार कार्यालय के माध्यम से अब तक 10 हजार से अधिक दस्तावेजों का फेसलेस पंजीयन किया जा चुका है। अब यदि किसी जिले में काम अधिक होगा और दूसरे जिले में अधिकारी उपलब्ध होंगे, तो सिस्टम के जरिए फाइल वहां भेजी जा सकेगी, जिससे रजिस्ट्री का काम बिना रुके पूरा किया जा सकेगा।

हजारों सीटें खाली... फिर भी बंद हुआ एडमिशन पोर्टल, विद्यार्थी परेशान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 31 जुलाई को कॉलेज लेवल काउंसलिंग का एडमिशन पोर्टल बंद किए जाने के बाद प्रदेशभर के हजारों विद्यार्थी शैक्षणिक सत्र गंवाने के खतरे का सामना कर रहे हैं। स्थिति तब और गंभीर हो गई है जब प्रदेश के कई कॉलेजों में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की हजारों सीटें अब भी खाली हैं।

इस निर्णय का सबसे अधिक असर उन विद्यार्थियों पर पड़ा है, जो सीबीएसई की 12वीं सप्लीमेंट्री परीक्षा, मध्यप्रदेश बोर्ड की 'रुक जाना नहीं' योजना या फिर सीयूईटी नीट और जेईई, जैसी राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम और काउंसलिंग प्रक्रिया का इंतजार कर रहे

हैं। पोर्टल बंद होने के कारण अब ये विद्यार्थी नियमित बीए, बीकॉम और बीएससी जैसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश नहीं ले पा रहे हैं। विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा विभाग को ई-मेल भेजकर एक अतिरिक्त सीएलसी राउंड शुरू करने की मांग की है। नीट अभ्यर्थी विवर्ता जोशी ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में प्रवेश की संभावना कम होने पर वह बीएससी में दाखिला लेना चाहती थीं, लेकिन तब तक प्रवेश प्रक्रिया बंद हो चुकी थी।

प्रवेश पाने अब भी विद्यार्थी कॉलेज पहुंच रहे हैं- निजी कॉलेज प्राचार्य संघ के अध्यक्ष डॉ. सौरभ पारिख ने कहा कि तकनीकी शिक्षा संचालनालय के अंतर्गत प्रोफेशनल कोर्स की काउंसलिंग अभी जारी है, जबकि पारंपरिक डिग्री कोर्स में प्रवेश बंद कर दिए गए हैं। उन्होंने खाली सीटों को भरने और विद्यार्थियों का साल बचाने के लिए एक और सीएलसी राउंड शुरू करने की मांग की। होलकर कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अनामिका जैन ने भी कहा कि प्रवेश के लिए विद्यार्थी अब भी रोज कॉलेज पहुंच रहे हैं, जिससे अतिरिक्त काउंसलिंग राउंड की आवश्यकता स्पष्ट होती है।

न्यूज ब्रीफ

श्री दशा नीमा मंडल के चुनाव संपन्न

अध्यक्ष कृष्ण कुमार नीमा

मंत्री - दिलीप नीमा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री दशा नीमा मंडल के निर्विरोध चुनाव सौहार्दपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुए। निर्वाचन प्रक्रिया में कृष्ण कुमार नीमा अध्यक्ष, संजय नीमा उपाध्यक्ष, दिलीप नीमा मंत्री, शैलेष नीमा सहमंत्री, ब्रजवल्लभ नीमा कोषाध्यक्ष तथा शंभूकुमार नीमा सह-कोषाध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से मनोनीत किए गए। नीमा समाज की अग्रणी एवं प्रतिष्ठित संस्था होने के कारण नवमनोनीत पदाधिकारियों को समाज के वरिष्ठजनों, प्रबुद्ध नागरिकों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाइयाँ प्रेषित की गईं। सभी ने नवगठित टीम के सफल, सक्रिय एवं समाजहितैषी कार्यकाल की मंगलकामना व्यक्त की।

मल्टी एसेट फंड चुनने के तरीके पर दोबारा विचार करें

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डीएसपी म्यूचुअल फंड ने मल्टी एसेट एलोकेशन श्रेणी के लिए एक नया डिजिटल कैंपेन शुरू किया है। इसका उद्देश्य निवेशकों को हाल में मिले रिटर्न से आगे बढ़कर यह समझ बढ़ाने के लिए प्रेरित करना है कि इन फंडों की किसी निवेश पोर्टफोलियो में क्या भूमिका होती है। यह अभियान इस आकलन पर आधारित है कि मल्टी एसेट एलोकेशन फंडों में निवेशकों की रुचि तेजी से बढ़ी जरूर है, लेकिन कई निवेशक अपनी पड़ताल की शुरुआत इस श्रेणी से जुड़ी अलग-अलग उम्मीदों के साथ करते हैं कि आखिर ये फंड किस तरह का लाभ देने के लिए बनाए गए हैं। एम्फी (स्र्ल्स्ड्ढ) के अनुसार, जनवरी- मार्च 2026 तिमाही के दौरान इक्विटी-आधारित स्कीम में हुए कुल शुद्ध निवेश (नेट इनफ्लो) में मल्टी एसेट एलोकेशन फंडों की हिस्सेदारी 27% रही।

निरीक्षण के दौरान मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए बांस लगाने और डिवाइडरों की हर खाली जगह को हराभरा करने के नगर निगम आयुक्त ने दिए निर्देश

सिर्फ पौधे नहीं, हरियाली की 'लाइफलाइन' होगी तैयार ग्रीन बेल्ट से तालाब किनारों तक बनाया प्लान

■ **सिरपुर, माणिकबाग, चौइथराम और नहर भंडारा का निरीक्षण**

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मानसून में सिर्फ पौधे लगाने तक सीमित नहीं रहने, बल्कि उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित और विकसित करने की रणनीति पर नगर निगम ने काम तेज कर दिया है। इसी कड़ी में गुरुवार सुबह निगमायुक्त क्षितिज सिंघल शहर के विभिन्न पौधारोपण स्थलों पर पहुंचे और अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि हरियाली सिर्फ अभियान नहीं, बल्कि शहर की स्थायी संपत्ति बननी चाहिए। आयुक्त ने सिरपुर तालाब, माणिकबाग रोड, चौइथराम मंडी, राजीव गांधी चौराहा और

नहर भंडारा क्षेत्र का निरीक्षण कर पौधारोपण की वास्तविक स्थिति देखी। उन्होंने पौधों की संख्या के बजाय उनकी गुणवत्ता, संरक्षण और खाली स्थानों को भरने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान सबसे अधिक फोकस तालाब और नदी किनारों पर मिट्टी के कटाव को रोकने पर रहा।

आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिरपुर तालाब और नहर भंडारा जैसे जल स्रोतों के किनारे बांस के पौधे लगाए जाएं। उनका मानना है कि बांस की मजबूत जड़ें मिट्टी को मजबूती देने के साथ जल स्रोतों के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने शहर की रिंग रोड, ग्रीन बेल्ट और डिवाइडरों का भी निरीक्षण किया और जहां-जहां पौधों के बीच खाली स्थान दिखाई दिए, वहां तत्काल गैप फिलिंग कर पौधारोपण करने के निर्देश दिए। उनका कहना था कि अधूरी हरित पट्टियां शहर की सुंदरता को प्रभावित करती हैं, इसलिए हर खाली जगह पर पौधे लगाए जाएं।

नियमित रखरखाव, सिंचाई और संरक्षण की व्यवस्था करें मजबूत

माणिकबाग स्थित देवी अहिल्या न्यू उद्यान और चौइथराम मंडी क्षेत्र में लगाए गए पौधों की स्थिति की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने उनके नियमित रखरखाव, सिंचाई और संरक्षण की व्यवस्था मजबूत करने को कहा। साथ ही जिन स्थानों पर पौधे नहीं लगाए गए है, वहां जल्द से जल्द पौधारोपण पूरा करने के निर्देश दिए। राजीव गांधी चौराहा और नहर भंडारा क्षेत्र में भी उन्होंने पौधारोपण की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों से कहा कि मानसून का अधिकतम लाभ उठाकर शहर के हरित आवरण को तेजी से बढ़ाया जाए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्रृंगार श्रीवास्तव, उद्यान अधिकारी शांतिलाल यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। निगम प्रशासन का लक्ष्य इस वर्ष पौधारोपण को केवल संख्या तक सीमित न रखकर उसके संरक्षण और दीर्घकालीन हरियाली सुनिश्चित करना है।

सुर्खियों से सौंदर्य की ओर, रीगल चौराहा बनेगा नया आकर्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कुछ समय पहले चूहों की बढ़ती संख्या के कारण चर्चा में रहा शहर का ऐतिहासिक रीगल चौराहा अब पूरी तरह नए और आकर्षक स्वरूप में नजर आएगा। नगर निगम यहां व्यापक सौंदर्यीकरण और अधोसंरचना विकास का कार्य करा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को एमआईसी के जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर ने निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति का जायजा लिया और संबंधित एजेंसियों को गुणवत्ता के साथ तय समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए।

रीगल चौराहे के विकास का मुख्य केंद्र गांधी प्रतिमा रोटरी है, जिसे आधुनिक स्वरूप देने के साथ उसकी ऐतिहासिक गरिमा भी बनाए रखी जा रही है। रोटरी क्षेत्र में आधुनिक एलईडी लाइटिंग, आकर्षक गार्डनिंग और बेहतर लैंडस्केपिंग की जा रही है, जिससे यह स्थान दिन के साथ-साथ रात में भी आकर्षण का केंद्र बनेगा। इसके अलावा पैदल चलने वालों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नए वॉक-वे विकसित किए जा रहे हैं।

सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित करेंगे

नगर निगम का उद्देश्य केवल चौराहे को सुंदर बनाना नहीं, बल्कि इसे शहर की पहचान के अनुरूप एक आधुनिक सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित करना है। गौरतलब है कि कुछ समय पहले रीगल चौराहा चूहों के कारण चर्चा में आया था, जिससे इसकी छवि पर सवाल उठे थे। अब निगम इस स्थान को स्वच्छ, व्यवस्थित और सौंदर्यपूर्ण बनाकर नई पहचान देने की दिशा में काम कर रहा है। निरीक्षण के दौरान राठौर ने निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हों और नागरिकों को कम से कम असुविधा हो। कार्य पूरा होने के बाद रीगल चौराहा इंदौर के प्रमुख आकर्षणों में शामिल होने की उम्मीद है।

वरिष्ठ नागरिक पेन्शनर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने पेंशनरों को लेकर संभागायुक्त को सौपा ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नवागत इंदौर कमिश्नर भास्कर लक्षकार से वरिष्ठ नागरिक पेन्शनर एसोसिएशन के प्रांतीय, संभागीय एवं इंदौर जिले के प्रतिनिधियों ने सौजन्य भेंट की तथा उनके द्वारा 3 अगस्त को शिक्षकों, कर्मचारियों एवं पेंशनरों के क्लेम के सम्बंध में संभाग के अधिकारियों को जो सख्त हिदायत दी गई तथा लोकसेवकों के प्रति उनके द्वारा संवेदनशीलता प्रदर्शित करने पर उसके प्रति आभार जताया तथा सम्भाग एवं इंदौर जिले के पेंशनरों की समस्याओं के निराकरण हेतु ज्ञापन भी दिया। एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी भगवतीप्रसाद पण्डित ने बताया कि इंदौर जिले एवं सम्भाग के शिक्षक कर्मचारियों एवं पेंशनरों विशेष रूप से शिक्षा एवं अन्य विभागों की समस्याओं पर संभागायुक्त भास्कर लक्षकार से चर्चा की। इनमें प्रमुख रूप से 35 वर्ष की चतुर्थ क्रमोन्नति के पेंडिंग प्रकरण में लेटलतीफी, क्रमोन्नति का आदेश होने के 2 माह बाद भी एरियर नहीं मिलना, पेंशन केसों का रिवाइज न होना, नया पीपीओ जारी न होना, पेंशन केसों में पीपीओ में देरी, जीपीएफ, सैकड़ों शिक्षकों का अर्जित अवकाश नकदीकरण नहीं होना, पेंशनरों के क्लेम को टालमटोल करना आदि मुद्दों से एसोसिएशन ने उन्हें अवगत कराया।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की विकासखंड स्तरीय मासिक बैठक संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

सांवेर ● मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद (योजना ,आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मध्य प्रदेश शासन) के प्रस्फुटन शक्ति संचय कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय संवाद योजना की मासिक बैठक शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सभा ग्रह सांवेर में आयोजित की गई बैठक का उद्देश्य प्रस्फुटन समितियां नवांकुर संस्थाओं एवं परामर्शदाताओं के साथ समन्वय स्थापित कर आगामी विकासात्मक गतिविधियों की रूपरेखा तैयार करना था बैठक की अध्यक्षता परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती ऋतुजा पहाडे एवं सचिन शिंपी ने की उन्होंने प्रस्फुटन समितियो द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी समितियो से प्रतिवेदन प्राप्त किए। साथ ही उपस्थित जनपद पंचायत से BPO संजय व्यास ने शासन की योजनाओं की विस्तार पूर्वक जानकारियां भी प्रदान की अंत में आभार विकासखंड समन्वयक श्रीमती रजनी यादव ने किया!

खेत पर बिजली चोरी कर वाटर चिल्ड प्लांट चलाने वाले को सजा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सिंचाई कार्य के लिए जा रही बिजली लाइन से अवैध रूप से बिजली चोरी कर वाटर चिल्ड प्लांट चलाने वाले को विशेष न्यायाधीश एसआर सिनम बागली के न्यायालय न्यायालय ने एक वर्ष के सश्रम कारावास एवं एक लाख रूपए के जुर्माने की सजा सुनाई हैं। साथ ही बिजली कंपनी को हुए नुकसान के लिए 686933 रूपए का पृथक भुगतान भी 4 अगस्त 2026 की तारीख से अगले सात दिनों में करने का आदेश पारित किया गया हैं। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के विजिलेंस के अधिकारियों एवं बागली क्षेत्र के स्थानीय बिजली कार्मिकों ने 10 अगस्त 2021 को बागली चापड़ा मार्ग स्थित देवेंद्र सिंह सेंधव निवासी बागली के खेत पर वाटर चिल्ड प्लांट डालकर प्लांट संचालने करते हुए उक्त चोरी पकड़ी थी। बिजली कंपनी की विजिलेंस शाखा के अधिकारियों ने माननीय न्यायालय में शासन की ओर से प्रभावी पक्ष रखा था, गवाह भी पेश किए थे, इसी कारण न्यायालय ने बिजली कंपनी के पक्ष में फैसला दिया हैं।

गीता रामेश्वरम ट्रस्ट द्वारा बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान समारोह 14 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौरा श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट के तत्वावधान में बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के सम्मान समारोह का भव्य आयोजन 14 अगस्त को रीगल चौराहा स्थित इंडियन काफी हाउस में सुबह 11.30 बजे किया जाएगा। इस संबंध में ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल एवं मदन परमालिया ने संयुक्त जानकारी देते हुए बताया कि इस गरिमामय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल होंगे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में कारगिल युद्ध के नायक, शहीद-ए-आजम और आदरणीय दिगेंद्र सिंह सम्मिलित होंगे। इस भव्य समारोह में बार एसोसिएशन के सभी 11 नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का विशेष रूप से नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। इसके साथ ही, बार एसोसिएशन के कुछ वरिष्ठ पदाधिकारियों को भी उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

शिक्षक नारायण सिंह पंवार की सेवानिवृत्ति पर भव्य कार्यक्रम कर बिदाई दी

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● बनेडिया शासकीय माध्यमिक विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक नारायण सिंह पवार की सेवानिवृत्ति पर परिवार द्वारा राधा मोहन राजपूत धर्मशाला में भव्य कार्यक्रम आयोजित कर बिदाई दी। कार्यक्रम में अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष भरत पटेल, प्राचार्य श्रीमती दीपाली सोनी, मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं शिक्षा विभाग पेढ़ी के संचालक सोहनलाल परमार, करणी सेना के ऋषिराज सिंह सिसोदिया, जितेंद्र यादव, बाबूलाल पटेल, वरिष्ठ पत्रकार सतीश जोशी, बी.एल.चौहान, दिनेश परमार, सरपंच गोकुल सिंह पंवार, महेश वर्मा, राजकुमार पटेल रहे। अतिथियों ने शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह भेंट कर नारायण सिंह पंवार का सम्मान किया। सेवानिवृत्ति पर पंवार ने 41,000/ रुपये की राशि धर्मशाला, मंदिर, गौशाला एवं सेवा भारती को प्रदान की। समारोह में विद्यालय परिवार, छात्र-छात्राओं व क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, वरिष्ठ समाज जनों, राजनेताओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का सफल संचालन सेवानिवृत शिक्षक रमेश चंद्र सोलंकी ने एवं अंत में आभार पूर्व सरपंच अर्जुन सिंह पंवार एवं शैलेंद्र सिंह ने माना।

विधायक चन्द्रशेखर व्यास की पुण्य स्मृति में बच्चों को पाठ्य सामग्री का किया वितरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इन्दौर के जुझारू, युवा स्व. विधायक चन्द्रशेखर व्यास की 46 वीं पुण्यतिथि पर मुख्य अतिथी के रूप में संबोधित करते हुए एम.आई. सदस्य पार्षद निरंजनसिंह चौहान 'गुड्डु' ने कहा कि श्री व्यास आम जनता से जुड़े हुए नेता थे, उन्हें हराने के कई बड़े नेताओं के प्रयास सफल नहीं हो सके। वे जनता के सच्चे सेवक थे, उनकी स्मृति में बच्चों को पाठ्य सामग्री का वितरण एक सराहनीय कदम है, हमें शिक्षा के क्षेत्र में विशेष ध्यान देना चाहिये ।

देश के मुख्य न्यायाधीश सहित सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश होंगे शामिल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर तथा मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के संयुक्त तत्वावधान में 8 एवं 9 अगस्त को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय इस सम्मेलन में भारत के मुख्य न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री, कानून और न्याय राज्य मंत्री, मुख्य न्यायाधीश, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष, पश्चिमी क्षेत्र के उच्च न्यायालयों के विधिक सेवा समितियों के अध्यक्ष और पश्चिमी क्षेत्र के राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों के सदस्य सचिव, न्यायिक अधिकारी और अन्य प्रतिष्ठित नागरिक शामिल होंगे।

बाइक से गिरकर बेहोश हुए छात्र को दिया सीपीआर, बचाई जान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● थाना राऊ व राजेंद्र नगर क्षेत्र में कावड़ यात्रा में पेट्रोलिंग कर रहे पुलिस जवानों ने त्वरित सतर्कता और सूझबूझ का परिचय देते हुए एक युवक की जान बचाई। बताया गया कि मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे दो छात्रों में से पीछे बैठा छात्र अचानक चलती बाइक से नीचे गिर गया और मौके पर ही बेहोश हो गया। घटना के वक्त क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रहे थाना राऊ के प्रधान आरक्षक बलराम चौहान व राजेंद्र नगर के राहुल बोर्डिया और विवेक प्रजापति की नज़र तुरंत बेहोश पड़े छात्र पर पड़ी। जवानों ने बिना समय गंवाए तत्काल छात्र के पास पहुँचकर स्थिति को संभाला और उसे प्राथमिक उपचार के रूप में सीपीआर दिया। सीपीआर देने के बाद जवानों ने तुरंत एक ऑटो रिक्शा की व्यवस्था की और छात्र को अविलंब नजदीकी अस्पताल पहुँचाया, जहाँ डॉक्टरों की देखरेख में उसका उपचार शुरू किया गया। समय पर मिले सीपीआर और त्वरित अस्पताल पहुँचाए जाने से छात्र की जान बच सकी।

कलेक्ट्रेट में 'ठग' कर्मचारी! भरोसे की आड़ में 17 लाख का फर्जीवाड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ एक कर्मचारी पर सरकारी पद का दुरुपयोग कर और भरोसे की आड़ में प्लॉट दिलाने के नाम पर 17 लाख रुपये ऐंठने का गंभीर मामला सामने आया है। मामला उजागर होने और जनसुनवाई में पुख्ता प्रमाणों के साथ शिकायत मिलने पर कलेक्टर शिवम वर्मा ने आरोपी कर्मचारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए विभागीय जांच के आदेश जारी कर दिए हैं।

पंचमूर्ति नगर निवासी पीड़ित मनोज शर्मा के अनुसार, उन्हें प्लॉट की आवश्यकता थी। एक परिचित के माध्यम से उनकी मुलाकात कलेक्टर कार्यालय की भूमि संसाधन प्रबंधन शाखा में पदस्थ भृत्य (चेनमैन) कैलाश पालीवाल से हुई। पालीवाल ने खुद को चंदन नगर चौराहे के पास स्थित एक प्लॉट का मालिक बताते हुए मनोज शर्मा के साथ 20 लाख रुपये में सौदा तय किया। पीड़ित ने सरकारी कर्मचारी पर भरोसा करते हुए अलग-अलग किश्तों में कुल 17 लाख रुपये दे दिए।

जीपीओ में सेल्फ बुकिंग कियोस्क का शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर जी.पी.ओ. परिसर में पोस्टमास्टर जनरल, इंदौर परिक्षेत्र, गौरव श्रीवास्तव के कर-कमलों द्वारा अत्याधुनिक सेल्फ बुकिंग कियोस्क का शुभारंभ किया गया। सेल्फ बुकिंग कियोस्क के माध्यम से ग्राहक 24 घंटे स्पीड पोस्ट एवं पार्सल बुकिंग की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। इस कियोस्क से बिना कतार में लगे स्वयं बुकिंग करने, क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान एवं एसएमएस सूचना जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी, जिससे डाक सेवाएँ अधिक सरल, त्वरित एवं ग्राहक-अनुकूल बनेंगी।

अल कबीर बीफ कम्पनी से कबीर नाम हटाने के लिए राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत में संचालित हो रहे बीफ कम्पनी अल कबीर लिमिटेड कम्पनी से कबीर शब्द हटाये जाने एंव स्कूली शिक्षा में विद्यार्थियो को पढाये जाने वाली पाठ्य पुस्तकों में से 'कबीर दास' की जगह 'सद्गुरु कबीर साहेब' लिखा जाये, व 'सद्गुरू कबीर साहेब' के प्रकट दिवस पर प्रतिवर्ष राष्ट्रीय अवकाश घोषित किए जाने की मांग हेतु राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा।

पूर्व टीआई दिनेश वर्मा के डिमोशन को लेकर पुलिस विभाग में मची हलचल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में साइबर सेल में पदस्थ इंस्पेक्टर दिनेश वर्मा और खजराना थाने के पूर्व टीआई को डिमोशन कर एसआई बना दिया है। पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने यह आदेश दिया है। पॉकेट गवाह मामले में उन पर आरोप सिद्ध होने पर कार्रवाई की गई है। चंदननगर थाने में पॉकेट गवाह के मामले में इंद्रमणि पटेल की टीआई की कुर्सी सुप्रीम कोर्ट से चली गई। पॉकेट गवाह में ही खजराना के तत्कालीन टीआई दिनेश वर्मा पर भी आरोप लगे और सीपी संतोष सिंह ने जांच बैठाई। इसमें अब सीपी सिंह ने उनका डिमोशन कर दिया है। बता दें कि संतोष सिंह ने आदेश जारी करते हुए दिनेश वर्मा को तीन साल के लिए एसआई के पद पर डिमोशन कर दिया है। वहीं वर्मा की बैच के सभी अधिकारी डीएसपी बन चुके हैं। वर्मा अभी साइबर सेल में पदस्थ हैं। यह आदेश सीपी ने पॉकेट गवाह में उन पर लगे आरोपों के सिद्ध पाए जाने पर दिया है। वर्मा अगस्त 2020 से अगस्त 2023 तक खजराना थाने के टीआई रहे हैं। इसी दौरान आरोप लगे कि वर्मा ने 742 केसों में इरशाद पुत्र अब्दुल हकीम को गवाह बनाया।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शुक्रवार 07 अगस्त 2026

न्यूज ब्रीफ

वृंदावन के प्रेम मंदिर की तर्ज पर तैयार हों रहा श्री जीण माता प्रेम मंदिर, निर्माण कार्य जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्री जीण माता सेवार्थ समिति द्वारा श्री कल्याण मल बद्री प्रसाद गर्ग पारमार्थिक ट्रस्ट और श्री गोयल पारमार्थिक ट्रस्ट के संयुक्त सहयोग से ग्राम दूधिया स्थित केजी एवेन्यू परिसर में श्री जीण माता प्रेम मंदिर का कार्य तेज गति से चल रहा है। इसे बनाकर तैयार होने 8 महीने और लगेंगे। श्री जीण माता सेवार्थ समिति के प्रमुख संस्थापक गोपाल मित्तल शक्कर वाले और अध्यक्ष राजेश गर्ग केटी ने बताया कि वृंदावन के प्रेम मंदिर की तर्ज पर अब इंदौर में भी जीण माता प्रेम मंदिर का निर्माण हो रहा है, इस मंदिर में श्री जीण माता सहित पांच देवी देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा होगी। मंदिर में जीण माता सांवरिया सेठ रानी सती दादी मां सालासर हनुमान जी, खाटू श्याम बाबा की प्रतिमा विराजित होगी। यह मंदिर तकरीबन 8 महीने में तैयार होगा इसका भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित होगा।

धर्म को सीमित न रखें, धर्म हमारे मरने के बाद भी जिंदा रहेगा - राष्ट्रसंत सुधासागर म.सा.

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • संसार में हमारा सबसे बड़ा शत्रु कोई और नहीं, हमारा कर्म ही है। कर्म से बड़ा न कोई शत्रु है न कोई मित्र। दुनिया से डरें या न डरें लेकिन कर्म करते समय अपने कर्म से जरुर डरें। भगवान से डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि वे कभी किसी से नाराज होते ही नहीं हैं। भगवान की हम कितनी ही सेवा करें या न करें, वे कभी हमसे न तो खुश होंगे और न ही नाराज क्योंकि वे इन सब से ऊपर उठ गए हैं। भगवान का अवलम्बन लेकर हम भी अपना भाग्य बदल सकते हैं। औषधि केवल बीमार लोगों को ही दी जाती है, स्वस्थ्य लोगों को उसकी कोई जरूरत नहीं। यह चातुर्मास और प्रवचन भी ऐसे लोगों के लिए है जिन्हें सुधरने और सुधारने की जरूरत है। धर्म बहुत महत्वपूर्ण तत्व है। हम सब संकल्प लें कि हमारे धर्म करने से अधिक लाभ हमारे बच्चों के धर्म करने से होगा और धर्म बचेगा। इससे धर्म की प्रभावना निरंतर बढती रहेगी। धर्म को अपने तक सीमित न रखें, धर्मात्मा बनें क्योंकि धर्म हमारे मरने के बाद भी जिन्दा रहेगा। धर्म ही हमारे साथ जाएगा, बाकी कुछ नही। संत शिरोमणि प.पू. विद्यासागर म.सा. के परम प्रभावक शिष्य और राष्ट्रसंत मुनि पुंगव प.पू. श्री सुधासागर महाराज ने गुरुवार को सकल दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति के तत्वावधान में दलाल बाग के विशाल विद्या-सुधा सत्संग मंडप में चल रहे चातुर्मास की महती धर्मसभा में उपस्थित समाज बंधुओं को संबोधित करते हुए उक्त दिव्य और प्रेरक आशीर्वचन दिए।

अखंड धाम आश्रम पर महापौर भार्गव ने दिलाई शहर को ग्रीन सिटी बनाने की शपथ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने गुरुवार को बिजासन रोड स्थित अखंड धाम आश्रम पर अपने महापौर कार्यकाल के चार वर्ष पूर्ण होने पर आश्रम के महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी चेतन स्वरूप एवं हंसदास मठ के महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज के सानिध्य में देश के कोने-कोने से आए सौ से अधिक संतों के सानिध्य में नागरिकों को शहर को एक बार फिर स्वच्छता में नंबर वन बनाने, क्लीन सिटी के साथ ग्रीन सिटी बनाने, पर्यावरण संरक्षण, वाटर रिचार्जिंग, डिजिटल एवं सोलर सिटी बनाने जैसे संकल्प दिलाए। संस्था मातरम और अखंड धाम आश्रम समिति की ओर से भावेश दवे एवं हरि अग्रवाल ने बताया कि महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने आश्रम पर चल रहे ओम नमः शिवाय अखंड जाप संकीर्तन में भी भागीदारी की और आश्रम स्थित शिव मंदिर एवं अन्य देवालयों में प्रतिवर्षानुसार परम्परागत पूजा अर्चना कर संतों से आशीर्वाद भी प्राप्त किए।

नगर निगम नेता प्रतिपक्ष को नहीं मिला बोलने का मौका, प्रेस कॉन्फ्रेंस में शहर अध्यक्ष ने थामा माइक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • नगर निगम परिषद के चार साल पूरे होने पर महापौर द्वारा पेश किए गए विकास कामों के लेखा-जोखा पर कांग्रेस ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पलटवार किया। निगम के मुद्दे पर आयोजित इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान भी सामने आती नजर आई। नगर निगम नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट मंच पर मौजूद रहीं, लेकिन करीब 15 मिनट चली पूरी प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्हें बोलने का मौका तक नहीं मिला। होटल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे, नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट सहित कांग्रेस के कई नेता मौजूद

थे। मंच पर चौकसे और मिमरोट की कुर्सियां साथ-साथ लगी थीं, लेकिन मीडिया से संवाद केवल चौकसे ने किया। निगम से जुड़े मुद्दों पर नेता प्रतिपक्ष की चुप्पी ने राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं को हवा दे दी। नगर निगम से जुड़े अहम मुद्दे पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेता प्रतिपक्ष को बोलने का अवसर नहीं मिलने से कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति एक बार फिर चर्चा में आ गई है। चिंटू चौकसे ने महापौर के चार साल के कार्यकाल पर सवाल उठाते हुए शहर में हुए विकास कामों, व्यवस्थाओं और विभिन्न हादसों का जिक्र किया। उन्होंने निगम प्रशासन और महापौर पर जमकर निशाना साधते हुए मंच से महापौर को सार्वजनिक डिबेट करने का खुला चैलेंज भी दे दिया।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा के हालिया बयानों पर भी सवाल पूछा गया। मिश्रा ने कुछ दिन पहले शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर तीखा हमला बोलते हुए कांग्रेस के भीतर नेताओं के विवाद को सार्वजनिक चर्चा का विषय बताया था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा था कि पप्पू की कांग्रेस में जीतू के घर चिंटू और पिंटू का झगड़ा हुआ और दीपू ने बीच-बचाव किया। इस पर चौकसे ने जवाब देते हुए कहा, 'यह हमारे परिवार का मामला है। किसी प्रकार की कोई घटना नहीं हुई। हम सभी भाई और दोस्त हैं। भाजपा ने सिर्फ झूठ बोलना अपनी नीति बना ली है।

श्री राम मंदिर में 400 से अधिक गौमाताओं का पूजन कर की गौसेवा, बटुक ब्राह्मणों का हुआ सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पंचकुइया स्थित श्री राम मंदिर आश्रम गौशाला में गुरुवार को गौसेवा और गौपूजन का विशेष आयोजन किया । कार्यक्रम में 400 से अधिक गौमाताओं का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर गौसेवा की गई। पंचकुइया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर रामगोपालदास महाराज के पावन सानिध्य में भक्त मंडल के प्रमुख एवं वरिष्ठ समाजसेवी नारायण अग्रवाल ने आचार्य पंडितों की उपस्थिति में गौमाताओं का पूजन कर सेवा का संकल्प लिया। गौसेवा

की गई। कार्यक्रम में वैदिक परंपरा के अनुसार बटुक ब्राह्मणों का सम्मान भी किया गया। आयोजन का उद्देश्य गौसंरक्षण, सनातन संस्कृति के संवर्धन तथा समाज में गौसेवा के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस अवसर पर हरिनारायण गोयल, दीपांशु मिश्रा, अनिरुद्ध दास महाराज सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तगण उपस्थित रहे।

जनभागीदारी से ही समाज का समग्र विकास संभव : प्रियंका टैगोर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड इंदौर के तत्वावधान में संवाद योजना अंतर्गत प्रस्फुटन शक्ति संचय कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय विकासखंड स्तरीय बैठक सह प्रशिक्षण का आयोजन जनपद पंचायत सभागार, इंदौर में किया गया। कार्यक्रम में प्रस्फुटन समितियों की गतिविधियों की समीक्षा के साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं आगामी सामाजिक अभियानों की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई।

मुख्य अतिथि श्रीमती प्रियंका टैगोर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत इंदौर ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। जनभागीदारी और सामाजिक सहयोग से ही समग्र एवं आत्मनिर्भर समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला समन्वयक श्रीमती ऋतुजा पहाड़े ने की, जबकि संभाग समन्वयक अमित शाह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि जन अभियान परिषद समाज सेवा, नेतृत्व विकास और व्यक्तित्व निर्माण का प्रभावी मंच है। परिषद की गतिविधियाँ स्वयंसेवकों को समाज में सकारात्मक पहचान बनाने के साथ राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करती हैं। विकासखंड समन्वयक प्रवेश शर्मा ने प्रस्फुटन समितियों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए आगामी माह में आयोजित होने वाले स्वैच्छिकता पर्व समापन, हरियाली यात्रा (नवांकुर सखी), 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान तथा तिरंगा यात्रा को सफल बनाने के लिए विस्तृत कार्ययोजना से सभी को अवगत कराया। उन्होंने विकासखंड इंदौर में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम में शत-प्रतिशत प्रवेश होने पर सभी कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों को बधाई भी दी। बैठक में प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना की जानकारी देते हुए बताया गया कि 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के असंगठित क्षेत्र के पात्र श्रमिक ई-श्रम कार्ड बनवाकर इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

कर्म से डरो, कर्म किसी के भी मीत नहीं होते

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्रमण संस्कृति के महाश्रमण मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ने गुरुवार को देशना मंडप में प्रवचन देते हुए कहा कि दुनिया में सबसे बलवान कोई है तो कर्म है जो ना तो किसी का मीत होता है और ना ही किसी पर दया करता है। पूर्व जन्म के कर्मों के कारण ही आदिनाथ को 7 माह 7 दिन तक आहार की विधि नहीं मिली थी। भले ही तुम गुरु से भगवान से मत डरना लेकिन कर्मों से जरूर डरना कर्म किसी को नहीं छोड़ते

भारतीय नारी को धन दौलत से ज्यादा संतान (बेटा) प्रिय होता है क्योंकि उससे ही वंश चलेगा वह शादी पत्नी बनने के लिए नहीं मां बनने के लिए करती है शादी भोग विलास का संबंध नहीं है।

जिस प्रकार वंश चलाने के लिए और और धन संपदा सुरक्षित रखने के लिए वारिस की आवश्यकता होती है उसी प्रकार धर्म चलाने के लिए भी वारिस आवश्यक है।

राजेश जैन दद्दू ने बताया कि मुनिश्री ने आगे कहा कि अपनी संतान को ऐसे संस्कार देकर जाना कि तुम्हारे बाद भी तुम्हारे परिवार के सदस्यों में धर्म संस्कार जीवित रहें। सभी लोग यदि यह नियम ले लें कि घर के सभी सदस्य देव दर्शन के बाद ही भोजन करेंगे तो धर्म जीवित रहेगा और तुम्हारे जाने के बाद भी परिवार भी वही करेगा जो तुमने किया है।

अनुसूचित जाति विभाग को चाहिए ऐसा नेतृत्व, जो संगठन में भी दिलाए सम्मान और अधिकार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मप्र कांग्रेस कमेटी द्वारा संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत सभी प्रकोष्ठों एवं विभागों के पुनर्गठन की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। यह संगठन के आत्ममंथन और नव निर्माण का महत्वपूर्ण अवसर है। ऐसे समय में प्रदेश कांग्रेस के सबसे महत्वपूर्ण विभागों में से एक अनुसूचित जाति विभाग के लिए ऐसे सशक्त, संघर्षशील और संगठनात्मक नेतृत्व का चयन किया जाना चाहिए, जो केवल दलित, शोषित एवं वंचित समाज की आवाज ही न बने, बल्कि कांग्रेस संगठन के भीतर भी उनके सम्मान, भागीदारी और अधिकारों को सुनिश्चित करा सके। मप्र कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के पूर्व प्रदेश संयोजक प्रकाश महावर कोली ने कहा है कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग लंबे समय से कांग्रेस का सबसे मजबूत सामाजिक आधार रहा है। इसके बावजूद संगठन में इस वर्ग के समर्पित कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को उनकी निष्ठा, संघर्ष और योगदान के अनुरूप सम्मान तथा प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अधिकांश छोटे-बड़े आयोजनों में अनुसूचित जाति विभाग के पदाधिकारियों को मंच पर अपेक्षित स्थान नहीं मिलता। यदि किसी प्रकार स्थान मिल भी जाता है, तो उन्हें अपने विचार रखने का अवसर नहीं दिया जाता।

'लव यू जिन्दगी' श्रृंखला में सहस्त्रधारा पहुंची सखियों ने प्रकृति की गोद में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • महिला प्रकोष्ठ अग्रवाल समाज के लव यू जिन्दगी कार्यक्रम की श्रृंखला में 57 सखियों ने इस बार बुधवार और गुरुवार को महेश्वर के निकट सहस्त्रधारा स्थित जालकोठी आश्रम पहुंचकर ध्यान की विभिन्न पद्धतियों का अभ्यास तो किया ही, मोबाइल की लत से छुटकारा पाने के साथ ही गायन, संगीत, हास्य, नृत्य और अमृत मंथन जैसी विधाओं में अपनी प्रस्तुतियां देकर अपने हुनर और ज्ञान का प्रदर्शन भी किया।

प्रकोष्ठ की प्रमुख प्रतिभा मित्तल ने बताया कि बुधवार की सुबह शहर की 57 सखियों की भागीदारी में 5 अलग-अलग समूहों (प्रत्येक में 11 सखियां) में महेश्वर में प्रकृति की गोद में रहकर ध्यान की विभिन्न पद्धतियों के साथ ही आत्म चिंतन, बोटिंग, मनोरंजक गेम्स और समूह चर्चा जैसे रचनात्मक और आनंद से परिपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल होकर सभी सखियों ने अपने रोजमर्रा के जीवन में आने वाले तनाव, वैचारिक उथलपुथल और मस्तिष्क की बैचेनी सहित विभिन्न वैचारिक समस्याओं के समाधान की दिशा में सार्थक पहल की।

इस दौरान सखियों के पांच समूह बनाए गए थे जिनके नाम सुगंधा, मोहिनी, मेनका, अप्सरा और राधारानी रखे गए थे। इनकी बागडौर प्रवीणा, वैशाली, करुणा, मोनिका और नीलम ने बखूबी संभाली। कार्यक्रम का संयोजन शीतल अग्रवाल, अलका अग्रवाल, संगीता पाटनी एवं तिलोत्तमा ने किया। चूँकि सभी समूहों को पहले से ही उनकी पसंद के विषय बता दिए गए थे इसलिए सबने पूरी तैयारी के साथ सहस्त्रधारा पहुंचकर लव यू जिन्दगी नाम को सार्थक बनाया। ध्यान के सत्र में सखियों ने जिबरीश और ओशो के कुंडलिनी ध्यान का अभ्यास किया।

सखी शक्ति समूह, क्लर्क कॉलोनी द्वारा सावन उत्सव का भव्य आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सावन माह के पावन अवसर पर सखी शक्ति समूह, क्लर्क कॉलोनी द्वारा लहरिया थीम पर एक भव्य एवं रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन क्लर्क कॉलोनी के कम्यूनिटी हॉल में किया गया। इसमें 100 से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर सावन के पारंपरिक गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए और पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए बेस्ट श्रृंगार, बेस्ट मेहंदी एवं बेस्ट डांस जैसी आकर्षक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा, सृजनशीलता एवं उत्साह का शानदार प्रदर्शन किया।

बेदखली की जाहिर सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि हम सुचनादाता रामसिंह पिता स्व. नंदा एवं श्रीमति सौरमबाई पति रामसिंह निवासी यान ग्राम कलमखेडी तह व जिला धार मप्र के होकर दोनो संयुक्त रूप से सुचित एवं उदघोषित करते है कि हमारा सबसे छोटा पुत्र संजय पिता रामसिंह गलत आदतो एवं व्यवहार के कारण परिवार से पृथक कर दिया गया है और हमारे द्वारा संजय एवं उसकी पत्नि को अपने परिवार तथा अपनी समस्त चल अचल संपति से बेदखल कर दिया गया है। भविष्य में संजय पिता रामसिंह के किसी भी सिविल या आपराधिक गतिविधि या किसी भी कर्जे, बैंक लोन या अन्य किसी भी व्यवहार से हमारा एवं हमारे परिवार का कोई संबंध नही रहेगा। सो सूचित होवे।

इति दिनांक 05/08/2026
प्रेषक
1 रामसिंह पिता स्व. नंदा
2 श्रीमति सौरमबाई पति रामसिंह
निवासीयान ग्राम कलमखेडी तह व जिला धार मप्र
मो.न.9589428246

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

संवाद टला तो सड़क बोली: क्या टकराव से पहले बात नहीं हो सकती थी?

आमतौर पर सरकार की ओर से टालमटोल के रवैये की वजह से ही संवादहीनता की स्थिति पैदा होती है और इसके बाद कभी-कभी आंदोलन की दिशा भी नियंत्रित नहीं रह पाती। एक स्वस्थ लोकतंत्र में सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन नागरिकों का अधिकार होता है। सच यह है कि असहमति और उसकी शांतिपूर्ण अभिव्यक्ति से ही लोकतंत्र जीवन पाता है और मजबूत होता है। मगर कुछ मसलों पर सरकारी तंत्र का रुख कई बार इस हद तक उदासीन और उपेक्षापूर्ण हो जाता है कि आम लोगों को अपनी बात दर्ज करने के लिए आंदोलन एक जरूरी विकल्प लगने लगता है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है कि अगर सरकार ने नीट प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर उभरे विरोध के बाद समय रहते आंदोलनकारियों से संवाद का रास्ता अपनाया होता, तो क्या स्थिति को संभाला जा सकता था? आमतौर पर सरकार की ओर से टालमटोल के रवैये की वजह से ही संवादहीनता की स्थिति पैदा होती है और इसके बाद कभी-कभी आंदोलन की दिशा भी नियंत्रित नहीं रह पाती। हैरानी की बात यह है कि मतभेद या सवालों के सामने आने पर सरकार अपनी ओर से बातचीत में दिलचस्पी नहीं दिखाती, लेकिन जब लोग सड़क पर उतर जाते हैं, तब कथित हिंसा पर काबू पाने के नाम पर पुलिस के जरिए बलप्रयोग का सहारा लेने से भी नहीं हिचकती। इसी से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्त्वपूर्ण टिप्पणी की कि अगर कुछ गुमराह लोग पत्थरबाजी भी करते हैं, तो भी युवाओं को शांत करने और उनसे बातचीत करने की जरूरत है। गौरतलब है कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर पुलिस ने आंदोलनकारियों पर जिस तरह लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े, उस पर तीखे सवाल उठे। इसके बाद पुलिस की ओर से यह सफाई दी गई कि आंदोलनकारियों की भीड़ अराजक और हिंसक हो गई थी। सवाल है कि क्या सिर्फ इस दलील से प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की सख्ती, बेरहमी और यहां तक कि कई छात्राओं के प्रति भी अफसोसनाक बर्ताव को उचित ठहराया जा सकता है? खबरें यहां तक आईं कि प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर 'पैलेट गन' भी चलाई गई, जिसका उपयोग हर लिहाज से गलत था। अव्वल तो इस स्थिति से बचने के लिए हर तरह के वैकल्पिक उपायों का सहारा लेने की जरूरत थी, लेकिन क्या यह नौबत सिर्फ संवाद की उपेक्षा करने या इसके प्रति उदासीन होने की वजह से ही नहीं आई? पुलिस की सख्ती सवालों के घेरे में आने के बाद मुद्दा जब राजनीतिक शक्ल अख्तियार करने लगा और विपक्षी दलों ने भी इस मसले पर आवाज उठाई, तब विद्यार्थियों की मांग के मुताबिक आखिर केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा हुआ और आंदोलनकारियों से बातचीत भी की गई।

यात्री कतारों में खड़े रहे, सुरक्षा के रखवाले सौदों में खड़े मिले

सुरक्षा का तमाशा अजीब है—कटघरे में यात्री खड़ा होता है, चूक भीतर होती है। वह चुपचाप बैग खोलता है, जूते-बेल्ट उतारता है, पानी की बोतल छोड़ता है, लैपटॉप अलग ट्रे में रखता है। उसे भरोसा रहता है कि यह असुविधा सुरक्षा की कीमत है। लेकिन इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे पर 'ऑपरेशन एयरोब्रिज' ने भरोसा तोड़ दिया। अबू धाबी से आया चांदी की परत चढ़ा लगभग एक किलो सोना एयरोब्रिज पर ही एयर इंडिया एक्सप्रेस कर्मचारी को सौंपा गया। वह टैरमैक से उतरकर सुरक्षा व्यवस्था को छलता रहा और जांच में कस्टम अधिकारी की मिलीभगत सामने आई। तब यह केवल तस्करी नहीं रह जाती। सवाल है-जब सुरक्षा के पहरेदार ही चाबी बेचने लगें, तो यात्रियों की कठोर तलाशी आखिर किसकी सुरक्षा कर रही है? हवाई अड्डों की सुरक्षा वहां नहीं टूटी, जहां दीवारें खत्म होती हैं; वह वहां टूटी, जहां भरोसा शुरू होता है। हमारे यहां सुरक्षा बाहर से आने वाले खतरे पर केंद्रित है। मशीनें, स्कैनर, कैमरे और नियम—सबकी निगाह यात्री पर रहती है, मानो सबसे बड़ा संदेह उसी पर हो। लेकिन दूसरी ओर खड़े कर्मचारियों, जिन्हें प्रतिबंधित क्षेत्रों में निर्बाध प्रवेश है और जिनकी पहचान ही पास है, उनकी निष्ठा की जांच नियमित और कठोर नहीं होती। इसलिए एयरोब्रिज से टैरमैक तक का रास्ता पूरी सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न बन गया। वहां न सुरंग थी, न तकनीकी चूक; केवल वर्दी, परिचित चेहरा और भीतर की मिलीभगत थी। किसी सुरक्षा तंत्र का इससे बड़ा लूपहोल नहीं हो सकता। सुरक्षा का बोझ बेगुनाह कंधों पर रखा जाता है। खाड़ी से कमाई लेकर लौटने वाला मजदूर, विदेश पढ़ने जाने वाला छात्र और छोटे व्यापार के लिए उड़ान भरने वाला व्यापारी-सभी समान तलाशी, प्रतीक्षा और संदेह झेलते हैं। जेबें खाली करवाई जाती हैं, बच्चों तक को स्कैनर से निकाला जाता है और घंटों कतार बाद कहा जाता है कि यह उनकी सुरक्षा के लिए है। लेकिन जब सुरक्षा तंत्र में बैठे लोग दस हजार रुपये के लालच में सीमा की पवित्रता गिरवी रख दें, तब अपमान उसी ईमानदार यात्री का होता है, जिसने हर नियम निभाया। सवाल है कि क्या जांच

केवल उसी के लिए है, जबकि असली खतरा उन लोगों से पैदा हो रहा है, जिन्हें जांचने की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली? किसी व्यवस्था की हार तब होती है, जब नागरिक का भरोसा टूटने लगे। यह घटना सोने की तस्करी तक सीमित नहीं; लोकतांत्रिक विश्वास का संकट बन जाती है। नागरिक कानून से डरकर नहीं, व्यवस्था की निष्पक्षता पर भरोसे से जुड़ता है। लेकिन जब एयरलाइंस कर्मचारी और कस्टम अधिकारी मिलकर सुरक्षा की दीवार में सेंध लगा दें, तब यात्री मशीनों से नहीं, वर्दी से डरने लगता है। उसे सवाल सताता है कि जिस व्यवस्था ने उसे शक की नजर से देखा, उसने अपने लोगों पर आंखें क्यों मूंद लीं। यही क्षण है, जब सुरक्षा विश्वास का आधार नहीं, अविश्वास की वजह बनती है। हवाई अड्डे की कमजोर दीवार कंक्रीट की नहीं, मनुष्य के चरित्र की होती है। सुरक्षा की विडंबना यही है कि मशीनें बढ़ती गईं, पर ईमानदारी की जांच पीछे छूट गई। इस प्रकरण में सवाल तस्करी की तकनीक नहीं, व्यवस्था की मानसिकता है। चांदी की परत चढ़ाकर सोना लाना केवल कानून को चकमा देना नहीं था; सुरक्षा व्यवस्था पर मौन व्यंग्य था। उसने दिखा दिया कि आधुनिक मशीनें भी मनुष्य की बेईमानी के सामने असहाय हैं। करोड़ों के स्कैनर, सीसीटीवी, डिजिटल निगरानी और बहुस्तरीय जांच तब बेकार हो जाती है, जब भीतर बैठा व्यक्ति जिम्मेदारी बेच देता है। व्यवस्था ने तकनीक बढ़ाई, लेकिन ईमानदारी की निगरानी मजबूत नहीं की। दस हजार रुपये का लालच करोड़ों की सुरक्षा पर भारी पड़ गया। यह तकनीक नहीं, नैतिकता की हार है। हवाई अड्डा अब केवल अमीरों की दुनिया का द्वार नहीं, आम आदमी के भरोसे का ठिकाना भी है। नौकरी, शिक्षा, व्यापार और इलाज के लिए साधारण नागरिक भी विमान यात्रा कर रहा है। उसके लिए हवाई अड्डा सिर्फ उड़ान नहीं, सुरक्षित पहुंचने का विश्वास है। जब उसी विश्वास के भीतर से तस्करी का रास्ता निकलता है, तो चोट केवल अपराध तक सीमित नहीं रहती। यात्री सुरक्षा जांच को भरोसे के बजाय औपचारिकता समझने लगता है। सार्वजनिक संस्थाओं पर घटता विश्वास हर नागरिक को प्रभावित करता है। सुरक्षा की दीवार मशीनों से नहीं, जिम्मेदार लोगों से खड़ी होती है। समाधान केवल स्कैनर और कैमरे लगाने में नहीं है। जरूरत है कि सुरक्षा व्यवस्था का केंद्र मनुष्य बने। एयरलाइंस, कस्टम और हवाई अड्डों के कर्मचारियों की नियमित सत्यनिष्ठा जांच, संवेदनशील पदों पर समयबद्ध बदलाव, स्वतंत्र ऑडिट, आकस्मिक निगरानी और मिलीभगत पर कठोर कार्रवाई—ये सुरक्षा के जरूरी हिस्से हैं जितने तकनीकी उपकरण। जिस व्यवस्था में यात्री की हर गतिविधि दर्ज होती है, वहां सुरक्षा कर्मचारियों की जवाबदेही भी पारदर्शी होनी चाहिए। नागरिक से अनुशासन मांगने वाली व्यवस्था को पहले स्वयं अनुशासित होना होगा, वरना उसका सुरक्षा नैतिक अधिकार धीरे-धीरे खत्म हो जाएगा।

कुछ घटनाएं खबर बनकर खत्म नहीं होतीं, वे व्यवस्था की कमजोरी का आईना बनती हैं। इंदौर की घटना केवल सोने की तस्करी नहीं, देश के सबसे सुरक्षित द्वार पर हुआ मौन विश्वासघात है। इसने बता दिया कि सुरक्षा का खतरा बाहर का व्यक्ति नहीं, भीतर बैठा बेईमान व्यक्ति हो सकता है। जब तक व्यवस्था यह नहीं मानेगी कि सुरक्षा लूपहोल मशीनों में नहीं, मनुष्य के चरित्र में है, तब तक लंबी कतारें, तलाशी और कठोर जांच औपचारिकता रह जाएंगी। राष्ट्र की सीमाएं तकनीक से मजबूत हो सकती हैं, पर सुरक्षित तभी होती हैं, जब उन्हें संभालने वाले हाथ ईमानदार हों। अंततः हवाई अड्डे की सुरक्षा स्कैनर की स्क्रीन पर नहीं, वर्दी पहने व्यक्ति के विवेक में होती है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद्, बड़वानी (मप्र)

चौराहे पर सिर्फ वाहन नहीं, हमारी सेहत भी फंसी है

सुबह विजय नगर से निकलकर पलासिया की ओर जाइए या रिंग रोड से राजवाड़ा की तरफ बढ़िए। चौराहे पर लाल बत्ती होते ही गाड़ियों की कतार लगती है। किसी को जल्दी है, कोई हॉर्न पर हाथ रखे बैठा है, कोई बगल से निकलने की कोशिश कर रहा है और कोई दोपहिया लेकर जरा-सी जगह मिलते ही आगे घुस जाता है। सिग्नल हरा होने से पहले ही कुछ वाहन चालक बेचैनी में आगे सरकने लगते हैं। हम इसे रोजमर्रा की ट्रैफिक समस्या कहते हैं। लेकिन असल में यह उससे कहीं बड़ी समस्या है। हम सड़क पर सिर्फ समय नहीं गंवा रहे, धीरे-धीरे अपनी सेहत और जिंदगी भी गंवा रहे हैं। ट्रैफिक जाम में खड़ी गाड़ी का इंजन धुआं छोड़ता है। आसपास खड़े लोग वही हवा सांस में लेते हैं। वाहनों से निकलने वाले पीएम 2.5, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और नैनो-पार्टिकल्स (पीएम 0.1) सांस के जरिए सीधे फेफड़ों और रक्तप्रवाह में समा जाते हैं। हालिया न्यूरोलॉजिकल अध्ययनों के अनुसार, ये सूक्ष्म कण मस्तिष्क में पहुंचकर न्यूरो-इन्फ्लेमेशन पैदा करते हैं और डोपामाइन-उत्पादक न्यूरॉन्स को नष्ट करते हैं, जिससे लंबे समय तक प्रदूषित ट्रैफिक में रहने वालों में पार्किंसंस , अल्जाइमर और असामयिक मानसिक क्षरण का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसी जहरीली हवा के कारण बच्चों में बाल-अस्थमा और वयस्कों में सीओपीडी का जोखिम 35 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और 'स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर' की रिपोर्ट्स स्पष्ट चेतावनी देती हैं कि वायु प्रदूषण दुनिया भर में प्रतिवर्ष 81 लाख से अधिक अकाल मौतों का कारण बनता है, जिनमें से 7 लाख से अधिक 5 वर्ष से कम उम्र के मासूम बच्चे होते हैं। लेकिन सड़क का प्रदूषण सिर्फ धुएं का नहीं है, हॉर्न भी एक अदृश्य जहर है। चौराहों पर सिग्नल लाल होता है, फिर भी हॉर्न बज रहा है। हॉर्न जाम नहीं खोलता, वह सिर्फ तनाव बढ़ाता है। 85 से 100 डेसिबल का यह तीखा शोर और जाम की अनिश्चितता शरीर में कोर्टिसोल और एड्रेनालाईन जैसे स्ट्रेस-हॉर्मोन्स का स्तर तुरंत बढ़ा देती है। यूरोपियन सोसाइटी ऑफ कार्डियोलॉजी के नैदानिक आंकड़े बताते हैं कि अत्यधिक ट्रैफिक में फंसा होना तात्कालिक हृदयघात के खतरे को सीधे तीन गुना बढ़ा देता है। इसके अलावा, ट्रैफिक में रोज घंटों एक ही स्थिर मुद्रा में जमे रहने से रीढ़ की हड्डी की डिस्क का निर्जलीकरण होता है, जो कम उम्र में ही साइटिका, लम्बर डिजनरेशन और सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस जैसी बीमारियों का कारण बन रहा है। फिर आता है जल्दबाजी का रोग। सिगनल खुलने से पहले बेचैन होना, रेंगना, गलत दिशा से निकलना, थोड़ी-सी जगह देखकर ओवरटेक करना और रोड रेज में उलझना। सड़क पर एक मिनट की देरी को हम अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लेते हैं। और इस पूरी कहानी का सबसे दुखद अध्याय दुर्घटनाएं हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में हर साल लगभग 12 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं और 2 से 5 करोड़ लोग गंभीर रूप से घायल या अपंग होते हैं। तो क्या समाधान सिर्फ फ्लाईओवर है? सड़क चौड़ी कर देने से क्या हमारी आदतें भी चौड़ी हो जाएंगी? शायद नहीं। शहर को ट्रैफिक सुधार के साथ ट्रैफिक संस्कार की भी जरूरत है।

पहला संस्कार, अपनी लेन में चलिए: परिवहन वैज्ञानिकों के अनुसार, यदि हर चालक लेन अनुशासन का पालन करे, तो 'फैंटम ट्रैफिक जाम' (अराजकता से लगने वाले जाम) 80 प्रतिशत तक स्वतः समाप्त हो सकते हैं।

दूसरा, रेड लाइट पर 'नो-आइडलिंग': जहां सुरक्षित हो, इंजन बंद कीजिए। 10 सेकंड से अधिक रुकने पर इंजन बंद करने से चौराहे का PM2.5 और जहरीला धुआं 40 प्रतिशत तक तुरंत गिर जाता है।

तीसरा, ध्वनि-संयम रखिए: बेवजह हॉर्न बंद कीजिए। हॉर्न चेतावनी के लिए है, अधीरता जताने और दूसरों का बीपी बढ़ाने के लिए नहीं।

चौथा, पैदल यात्री को इंसान समझिए: जेब्रा क्रॉसिंग पर रुकना किसी पर एहसान नहीं, सड़क सभ्यता का नियम है।

पांचवां, एम्बुलेंस को रास्ता दीजिए: याद रखिए, उसमें कोई ऐसा व्यक्ति हो सकता है जिसकी जिंदगी के अगले कुछ मिनट हमारे संयम पर निर्भर हों। हमारी पहचान सिर्फ स्वच्छता में नहीं होनी चाहिए। हमारी पहचान ऐसी सड़क संस्कृति से भी होनी चाहिए जहां हॉर्न कम हों, धैर्य ज्यादा हो; और चालान के डर से नहीं, जिम्मेदारी की समझ से लोग नियम मानें। सड़क पर थोड़ा धीरे चलिए, थोड़ा कम हॉर्न बजाइए, थोड़ा ज्यादा रास्ता दीजिए। क्योंकि ट्रैफिक सुधार का असली सवाल यह नहीं है कि सड़क कितनी चौड़ी है, सवाल यह है कि हमारा सड़क व्यवहार कितना सभ्य है! -**राजकुमार जैन,** यातायात प्रबंधन विशेषज्ञ

आंचलिक

विश्व पर्यटन मांडू नगरी में पर्यटकों के साथ की गई मारपीट ,मांडू में पर्यटक सुरक्षित नहीं है

मांडू वर्ल्ड हेरिटेज बनने की कगार पर खड़ा है,लेकिन मांडू में पर्यटक सुरक्षित नहीं है

अजय नलवाया (7879800048)

धार • दैनिक इंदौर संकेत

विश्व पर्यटन मांडू नगरी में पर्यटक सुरक्षित नहीं है, उनके साथ कहीं घटना घटती रहती है। मांडू में कई बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं पर्यटकों को लेकर लेकिन कल्पना से परे हैं। मांडू में पर्यटक आज भी सुरक्षित नहीं है, पर्यटको की वजह से मांडू में रौनक है, आज भी पर्यटक की वजह से हजारों लोगों के घर के चूल्हे जल रहे हैं, फिर उनके साथ मारपीट क्यों होती रहती है? क्या प्रशासन का नकारात्मक रवैया है व प्रशासन की लापरवाही सामने आ रही है।

मांडू में पुलिस स्टाफ की कमी

मांडू में पुलिस स्टाफ की कमी होने के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हो जाते हैं, अपराधियों को किसी भी प्रकार का कोई डर नहीं रहता है जिसके कारण अपराधिक मामले बढ़ते जाते हैं।

मांडू में पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर कहीं सवाल खड़े हो जाते हैं, इधर मांडू वर्ल्ड हेरिटेज

बनने की कगार पर खड़ा है और उधर मांडू में पर्यटकों की सुरक्षा नहीं है। मांडू में तारापुर गेट, बाज बहादुर का महल , चिश्तीखा का महलऔर सनसेट पॉइंट पर सीसीटीवी कैमरे नहीं मांडू में तारापुर गेट, बाज बहादुर का महल, चिश्तीखा का महल सनसेट पॉइंट आदि स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगाए गए, जहां पर अपराधियों के हौसले बुलंद हो जाते हैं व ऐसे स्थानों पर घटना घटी रहती है।

05 अगस्त को अशर्फी महल के पास टूरिस्टर प्रिंस पिता विनोद गौर अपनी फैमिली के साथ में अशर्फी महल के पास में गाड़ी पार्किंग खड़ी की थी वहीं पर रोड पर एमपी 13 जेट एस 7732 बोलोरो गाड़ी पर सवार पूनमचंद पिता मांगीलाल मस्कर जाति भील उम्र 28 साल निवासी ककलपुरा नालछा, रामभरोसे पिता भवरसिंह गिरवाल जाति भील उम्र 21 साल निवासी काकलपुरा, अर्जुन पिता सीताराम गिरवाल जाति भील उम्र 24 साल निवासी काकलपुरा थाना नालछा एवं अन्य रविन्द्र कटारे द्वारा गाड़ी पार्किंग की बात को लेकर प्रिंस से वाद विवाद बदतमीजी झूमा झटकी और मारपीट की गई की गई थी। जिसकी सूचना थाने पर की गई थी टीआई इंदल सिंह रावत और मैडम मोनिका सिंह एसडीओपी द्वारा तुरंत एक्शन लेकर पुलिसकर्मी के द्वारा उपरोक्त तीन लोगों को पड़कर थाना लाये रविंद्र कटारे भाग गया। तीन लोगों के विरुद्ध धारा 151 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

मेडिकल कॉलेज को मिली एसी बस अस्पताल पहुंचने में होती थी दिक्कत

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित परिवहन सुविधा आखिरकार शुरू हो गई। जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने जिला खनिज प्रतिष्ठान निधि से खरीदी गई एयर कंडीशंड बस का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं छात्रों के साथ बस में सफर किया और उन्हें मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। लोकार्पण कार्यक्रम में प्रभारी कलेक्टर डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. संजय दादू, चिकित्सक, स्टाफ और बड़ी संख्या में मेडिकल छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

मंत्री विजय शाह ने बताया कि मेडिकल कॉलेज से जिला अस्पताल तक आने-जाने में विद्यार्थियों को काफी परेशानी होती थी। इस समस्या को देखते हुए जिला खनिज प्रतिष्ठान निधि से 27.70 लाख रुपए की लागत से वातानुकूलित बस खरीदी गई, जिससे छात्रों का सफर अब अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित होगा।

मंत्री शाह ने बताया कि 29 जनवरी को मेडिकल कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने परिवहन सुविधा की मांग रखी थी। उस समय उन्होंने जल्द बस उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा कि छात्रों ने कम से कम दो बसें संचालित करने की मांग की थी। पहली एसी बस का लोकार्पण कर वादा पूरा कर

दिया गया है और दूसरी बस भी जल्द उपलब्ध कराई जाएगी।

मंत्री ने जानकारी दी कि इसी तरह की एक और बस वन विभाग के इको-पर्यटन बोर्ड को हरसूद विधानसभा क्षेत्र के लिए उपलब्ध कराई गई है, जिससे पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

छात्रों में दिखा उत्साह

नई बस मिलने के बाद मेडिकल छात्रों में खुशी का माहौल रहा। विद्यार्थियों ने कहा कि कॉलेज और जिला अस्पताल के बीच नियमित और सुविधाजनक परिवहन मिलने से क्लीनिकल प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और दैनिक आवागमन काफी आसान हो जाएगा। इससे समय की बचत होने के साथ पढ़ाई पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

विश्व आदिवासी दिवस के शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण आयोजन हेतु धार पुलिस ने आयोजित की शांति समिति की बैठक

दैनिक इंदौर संकेत

धार • आगामी 09 अगस्त को आयोजित होने वाले विश्व आदिवासी दिवस के कार्यक्रमों एवं जुलूस को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से आज पुलिस कंट्रोल रूम, धार में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप पुलिस अधीक्षक (अजाक) श्री आनंद तिवारी, थाना प्रभारी कोतवाली, थाना प्रभारी नौगांव सहित पुलिस अधिकारियों ने आयोजन समिति के पदाधिकारियों, समाज के वरिष्ठजनों एवं गणमान्य नागरिकों से विस्तृत चर्चा की।

बैठक के दौरान दिए गए निर्देश - बैठक में उपस्थित सभी समाजजनों से सामाजिक समरसता एवं भाईचारा बनाए रखने की अपील की गई। साथ

ही समाज में व्याप्त कुरीतियों से दूर रहने, मद्यपान एवं अन्य नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करने, जुलूस को पूर्ण अनुशासन एवं शांति के साथ निकालने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह, उकसावे अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधियों से दूर रहने की समझाइश दी गई। पुलिस अधिकारियों ने आयोजन समिति से यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध एवं जुलूस के निर्धारित मार्ग के संबंध में भी आवश्यक चर्चा करते हुए प्रशासन को सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया।

आयोजन समिति का आश्वासन - बैठक में उपस्थित आयोजन समिति के पदाधिकारियों एवं समाज के प्रतिनिधियों ने विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन पूर्णतः शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं नशामुक्त वातावरण में करने तथा पुलिस प्रशासन को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

महू-मंडलेश्वर मार्ग पर अज्ञात शव मिला, पुलिस शिनाख्त में जुटी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • मण्डलेश्वर थाना क्षेत्र के अंतर्गत महू-मंडलेश्वर मार्ग पर जाम गेट के पास गुरुवार देर शाम एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। सूचना मिलने पर 112 पुलिस और टोल टैक्स की एंबुलेंस मौके पर पहुंची। शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंडलेश्वर लाया गया और पीएम कक्ष में रखवाया गया है। मृतक की उम्र लगभग 45 से 50 वर्ष बताई जा रही है। उसने पीले रंग का कुर्ता पहन रखा था। समाचार लिखे जाने तक शव की शिनाख्त नहीं हो पाई थी। शुक्रवार सुबह शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही वास्तविक वजह स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस इस बात की गहनता से जांच कर रही है कि मृतक कौन है, वह कहां का रहने वाला है और जाम गेट तक कैसे पहुंचा। पहचान स्थापित करने के लिए आसपास के थानों में सूचना भेजी गई है और सोशल मीडिया व व्हाट्सएप ग्रुप्स पर मृतक की फोटो प्रसारित की गई है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि हुलिए के आधार पर कोई व्यक्ति की पहचान कर पाता है, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

ओंकारेश्वर में मनमानी पार्किंग वसूली का आरोप, श्रद्धालु से 620 रुपए लिए

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • ओंकारेश्वर में नई पार्किंग व्यवस्था लागू होने के बाद श्रद्धालुओं ने निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूलने के आरोप लगाए हैं। नगर परिषद ने 1 अगस्त से नई पार्किंग दरें लागू की हैं, लेकिन बुधवार को कई श्रद्धालुओं ने आरोप लगाया कि उनसे तय शुल्क से कई गुना अधिक रकम ली गई। इंदौर से आए कार चालक नीरज निगम ने बताया कि 8 घंटे पार्किंग के लिए उनसे तय 75 के बजाय 220 वसूले गए। वहीं, अकोला (महाराष्ट्र) से टेम्पो ट्रैवलर लेकर आए निकेश राठौर से 10 घंटे के लिए निर्धारित 320 की जगह 620 ऐंठ लिए गए। शिकायत के बाद जब 112 डायल पुलिस मौके पर पहुंची, तब जाकर कार चालक से 220 के बदले 150 लिए गए। नगर परिषद ओंकारेश्वर ने 1 अगस्त से नया पार्किंग ठेका उत्तर प्रदेश की 'तनिष्क इंफ्राटेक' संस्था को सौंपा है। नई गाइडलाइन के तहत 6 घंटे, 6 से 12 घंटे और 12 घंटे से अधिक के लिए पार्किंग की दरें तय की गई हैं। हालांकि, धरातल पर तय दरों से कहीं अधिक वसूली की जा रही है। शिकायत के बाद 112 पुलिस मौके पर पहुंची। शिकायतकर्ता के अनुसार, पुलिस के हस्तक्षेप के बाद ठेकेदार के कर्मचारियों ने 220 रुपए के स्थान पर 150 रुपए लिए। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका कि शेष राशि लौटाई गई या नहीं। नगर परिषद के राजस्व निरीक्षक जितेंद्र गोहे ने कहा कि मामले की जानकारी मिली है। यदि निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूलने की पुष्टि होती है तो ठेकेदार को चेतावनी दी जाएगी और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

17 अगस्त से शुरु होगी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप

नई दिल्ली (एजेंसी) • 17 से 23 अगस्त तक यहां खेली जाने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत की पी वी सिंधु को महिला एकल वर्ग में नौवीं वरीयता मिली है। वहीं, पुरुष युगल में सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पांचवीं वरीयता प्रदान की गई है। सिंधु और सात्विकसाइराज, चिराग की जोड़ी से पदक जीतने की उम्मीदें रहेंगी। भारतीय दल इस बार विश्व चैंपियनशिप में एक मजबूत चुनौती पेश करने की तैयारी में है। सिंधु ने हाल ही में जापान ओपन टूर्नामेंट में शानदार जीत दर्ज की थी। इसके साथ ही ओलंपिक में भारत के लिए दो बार पदक भी जीता है। दूसरी ओर, पुरुष युगल में सात्विक और चिराग की जोड़ी भी अच्छी लय में है। इस जोड़ी ने साल 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था और अब विश्व चैंपियनशिप में भी इतिहास रचना चाहती है। वहीं पुरुष एकल वर्ग में कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को 14वीं वरीयता दी गयी है। ये उनके निरंतर अच्छे प्रदर्शन का परिणाम है। मिश्रित युगल में भी भारत की ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी को 15वीं वरीयता दी गई है। भारत ने इस चैम्पियनशिप के सभी पांचों वर्गों में दो-दो प्रविष्टियां भेजी हैं, जो देश में बैडमिंटन की बढ़ती गहराई और प्रतिभा को दर्शाता है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वरीयता की बात करें तो, पुरुष एकल में चीन के विश्व चैम्पियन शि युकी को शीर्ष वरीयता मिली है, जबकि महिला एकल में दक्षिण कोरिया की स्टार खिलाड़ी आन से यंग को पहली वरीयता दी गई है। जापान की मौजूदा महिला एकल विश्व चैम्पियन अकाने यामागुची को दूसरी वरीयता मिली है। उनके अलावा, चीन की वांग नि यि तीसरी और चेन युफेइ चौथी वरीयता के साथ टूर्नामेंट में अपनी चुनौती पेश करेंगी। आयोजकों ने यह भी कहा कि यदि कोई वरीय खिलाड़ी ड्रॉ से पहले अपना नाम वापस लेता है, तो वरीयता क्रम में बदलाव किया जा सकता है। इस चैम्पियनशिप से बैडमिंटन प्रेमियों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को को एक ही मंच पर खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा।

इंदौर के पांच खिलाड़ी 15 अगस्त को जबलपुर में सम्मानित होंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • विद्युत मंडल की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं मे भाग लेकर उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के पांच खिलाड़ियों का चयन शक्ति भवन जबलपुर में ऊर्जा विभाग के 15 अगस्त के राज्य स्तरीय समारोह में पुरस्कृत होने के लिए किया गया हैं। पश्चिम क्षेत्र कंपनी के जिन खिलाड़ियों का 15 अगस्त को राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह के लिए चयन हुआ हैं उसमें पृथ्वीराज चौधरी पावर लिफ्टिंग, सुरेंद्र कुमार पटेल पावर लिफ्टिंग, विशाल वर्मा पावर लिफ्टिंग, नीरज चौहान पावर लिफ्टिंग, संदीप मौर्य बॉडी बिल्डिंग शामिल हैं। खेल क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर पश्चिम क्षेत्र कंपनी का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने वाले इन खिलाड़ियों को प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह, मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान, संजय मालवीय आदि ने बधाई दी हैं।

अल्काराज सिनसिनाटी खिताब से बाहर रहेंगे, अमेरिकी ओपन से करेंगे वापसी

सिनसिनाटी (एजेंसी) • विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज 13 अगस्त से शुरु हो रहे सिनसिनाटी ओपन से बाहर रहेंगे। अल्कराज ने ये फैसला अब तक पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण उठाया है। अल्काराज अभी तक अपनी दाईं कलाई की पुरानी चोट से नहीं उबर पाये हैं। अब वह अमेरिकी ओपन से ही वापसी करेंगे। सिनसिनाटी ओपन ओपन को अमेरिकी ओपन से पहले अभ्यास के लिए एक अच्छा टूर्नामेंट माना जाता है जिससे अब वह वंचित रह जाएंगे।

अल्काराज की यह चोट अप्रैल से ही उन्हें परेशान कर रही है और बावजूद इसके कि वह कुछ समय से कोर्ट पर अभ्यास करते दिख रहे थे, उनकी फिटनेस इस महत्वपूर्ण हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट

सिनसिनाटी ओपन के लिए पर्याप्त नहीं पायी गई। इस खिलाड़ी ने इस साल काफी अच्छा प्रदर्शन किया है, जिसमें विंबलडन खिताब के साथ ही विश्व के नंबर एक स्थान पर पहुंचना शामिल है। गौरतलब है कि सिनसिनाटी ओपन, जिसे वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन के नाम से भी जाना जाता है, एटीपी मास्टर्स 1000 श्रेणी का एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। यह अमेरिकी ओपन से ठीक पहले आयोजित होता है और खिलाड़ियों को न्यूयॉर्क में होने वाले अंतिम ग्रैंड स्लैम के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने का अच्छा अवसर देता है। अल्काराज के लिए, यह टूर्नामेंट पिछले

साल के अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने और हार्ड कोर्ट पर अपनी लय वापस पाने का एक सुनहरा मौका था, जो अब उन्होंने खो दिया है।

टूर्नामेंट निदेशक बॉब मोरान ने अल्काराज के इस फैसले पर निराशा व्यक्त की लेकिन उनके स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के महत्व पर जोर दिया। मोरान ने कहा, हम जानते हैं कि कार्लोस जल्द से जल्द कोर्ट पर लौटने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं और भविष्य में सिनसिनाटी में उनका स्वागत करने की उम्मीद करते हैं। अल्काराज का पिछला आधिकारिक टूर्नामेंट बार्सिलोना ओपन था, जिसके बाद से वह इस सत्र से बाहर चल रहे हैं।

भारती सिंह ने बताया कि हर्ष लिम्बाचिया ने उनके जन्मदिन के तोहफ़े के तौर पर टैटू क्यों बनवाया

मुंबई (एजेंसी) • सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीज़न 5 के आने वाले एपिसोड में शो एक बार फिर दिल छू लेने वाले पल, मनोरंजक बातचीत और मज़ेदार खुलासे लेकर आ रहा है। इस एपिसोड में हर्ष लिंबाचिया और भारती सिंह अपने टैटू की कहानी साझा करते हुए अपने रिश्ते का एक प्यारा और हास्य से भरा किस्सा दर्शकों के सामने पेश करेंगे। इस हफ्ते मंच कॉमेडी जंक्शन में तब्दील हो जाएगा, जहाँ राघव जुयाल, भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया अपनी खास ह्यूमर और एनर्जी के साथ एपिसोड में एंटरटेनमेंट, धमाल और मस्ती का तड़का लगाएंगे। हर्ष ने बताया कि उन्होंने अपना टैटू कैसे बनवाया, 'मैंने पता है क्या किया था, मेरे मम्मी-पापा भी मना कर रहे थे। मैं मम्मी और पापा के नाम का टैटू बनवा के लेके गया, फिर कोई कुछ नहीं बोला।' बात को आगे बढ़ाते हुए भारती ने मज़ाकिया अंदाज़ में बताया कि जहाँ बहुत से लोग मानते हैं कि हर्ष का टैटू उनके नाम का है, असल में इसके पीछे एक अलग कहानी है। उन्होंने कहा, 'मैं एक बात बताती हूँ आप लोगों को, आप लोगों को लग रहा होगा मेरा नाम लिखा है उसके सीने में, ओह कितना प्यारा। कुछ ऐसा नहीं है। बर्थडे पे इसको गिफ्ट देना था। मैंने कुछ और मांगा था, महंगी चीज़ थी वो, और इसके पास थे 2500 रुपये, जितने का वो टैटू बनवाया, और मैं इमोशनल हूँ गई, इतना दर्द कैसे लिया। 6 महीने के बाद बताया था, इसके पास पैसे उतने थे, तो ये सस्ता पड़ा है।'

अमिताभ बच्चन ने बताया कि उन्होंने 'केबीसी' के लिए 24 घंटे की शिफ्ट में काम किया

मुंबई (एजेंसी) • मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने एक चौंकाने वाला और प्रेरणादायक खुलासा किया कि उन्होंने हाल ही में अपने क्विज़ रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति के आने वाले सीज़न के लिए लगातार 24 घंटे का कठिन वर्क शिफ्ट पूरा किया। अभिनेता ने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा कि शेड्यूल मिस करने का मतलब उनके लिए 'जॉब रिप्लेसमेंट' होता। अपने नियमित ब्लॉग्स पर लिखते हुए 83 वर्षीय सिने आइकॉन ने साझा किया कि उन्होंने लगातार दिन 1 की सुबह 7 बजे से लेकर दिन 2 की सुबह 7 बजे तक काम किया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह असाइनमेंट इतना महत्वपूर्ण था कि इसे टालना संभव नहीं था। उन्होंने लिखा, 'आह्ह्ह... समय को समय पर पकड़ लिया... आज सुबह 7 बजे काम खत्म किया... जो कल सुबह 7 बजे शुरू हुआ

था... लेकिन इसकी प्रस्तुति और समय पर पूरा होना ज़रूरी था... तो कर लिया... ' वेटरन अभिनेता ने कहा कि काम पूरा करने के बाद वह अपने डेली ब्लॉगिंग रूटीन से दोबारा जुड़कर राहत महसूस कर रहे हैं। उन्होंने लिखा: 'लेकिन ज़्यादा राहत इस बात की है कि ब्लॉग और श्रद्ध से जुड़ पाया... अब मैं रिटायर हो रहा हूँ, पेट में थोड़ा खाना डालूँगा... तकिए पर सिर रखूँगा... क्योंकि कल फिर एक अर्ली कॉल है... ' अमिताभ बच्चन ने साझा किया कि पॉपुलर क्विज़ शो की प्रीमियर डेट अब घोषित हो चुकी है और उन्होंने लिखा कि वह काम मिस करने का रिस्क नहीं ले सकते।

उज्जैन संभाग

समिति के आरती स्थल पर प्रशासन और तीर्थ पुरोहित आमने-सामने, विरोध के बीच हुई मां शिप्रा की संध्या आरती

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • मां शिप्रा की संध्याकालीन आरती को लेकर गुरुवार को रामघाट स्थित आरती स्थल पर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। तीर्थ पुरोहितों का आरोप है कि प्रशासन ने महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के माध्यम से वर्षों से समिति द्वारा किए जा रहे आरती आयोजन के स्थल पर आरती कराने का प्रयास किया। इसके विरोध में बड़ी संख्या में तीर्थ पुरोहित घाट पर एकत्रित हुए और अपना विरोध दर्ज कराया। जानकारी के अनुसार, तीर्थ पुरोहितों ने कहा कि जिस स्थान से वे लंबे समय से मां शिप्रा की संध्या आरती करते आ रहे हैं, उसी स्थल पर प्रशासन ने पहले समिति की चिलम-माइक व्यवस्था हटाई और बाद में आरती की भव्यता के लिए उपयोग किए जाने वाले तख्त को अतिक्रमण बताते हुए हटा दिया। गुरुवार को प्रशासन महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के नाम पर स्पीकर एवं अन्य सामग्री लेकर आरती कराने पहुंचा, जिसका तीर्थ पुरोहितों ने विरोध किया। विरोध के बीच समिति ने अपने निर्धारित स्थल पर ही मां शिप्रा की संध्या आरती संपन्न की। इस दौरान तीर्थ पुरोहितों ने प्रशासन की कार्रवाई की भर्त्सना करते हुए कहा कि आरती और पूजन का अधिकार उन्हें प्राचीन काल से प्राप्त है तथा उनके पूर्वजों ने विभिन्न कालखंडों में तीर्थ परंपरा का संरक्षण किया है। तीर्थ पुरोहितों का कहना है कि यदि महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के माध्यम से बाहरी पुजारियों से आरती कराई जाती है, तो यह परंपराओं के विपरीत है। उन्होंने मांग की कि यदि महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति इस व्यवस्था में शामिल होती है, तो तीर्थ पुरोहितों को भी महाकाल मंदिर में अपने यात्रियों के पूजन-अर्चन का अधिकार प्रदान किया जाए। तीर्थ पुरोहितों ने स्पष्ट किया कि वे अपने पारंपरिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेंगे। फिलहाल इस मुद्दे को लेकर तीर्थ पुरोहितों के बीच मंथन जारी है ।

ज्योतिर्लिंग महाकाल के दर्शन करने पहुंचे महाराष्ट्र मंत्री व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • महाराष्ट्र सरकार के वस्त्रोद्योग मंत्री संजय वामन सावकारे एवं मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष तथा बैतूल विधायक हेमन्त खंडेलवाल ने शुक्रवार को उज्जैन स्थित ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर दर्शन लाभ प्राप्त किए। दर्शन उपरांत श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने संजय वामन सावकारे एवं हेमन्त खंडेलवाल का मंदिर परिसर में पुष्पगुच्छ एवं प्रसाद भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया।

84 महादेव दर्शन यात्रा : समापन पर महाकालेश्वर का दर्शन-पूजन किया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •84 महादेव, नवनारायण एवं सप्तसागर दर्शन यात्रा बाबा महाकालेश्वर के दर्शन-पूजन के साथ संपन्न हो गई। यात्रा पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष बहादुर सिंह बोरमुंडला के नेतृत्व में निकली। यात्रा समिति सदस्य कैलाश बोड़ाना ने बताया इस बार बड़ी संख्या में मातृशक्ति भी दोपहिया वाहनों पर शामिल हुई। दूसरे दिन यात्रा जैथल स्थित दुधेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुई। श्रद्धालु अलग-अलग पड़ावों से होते हुए महाकाल दर्शन के लिए पहुंचे।

शहर के पहले 'कचरा कैफे' का एकमाह और इंतजार, टेंडर रेट में अटका

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • शहर को स्वच्छ बनाने और लोगों को कचरा प्रबंधनके प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उज्जैन नगर निगमने 'कचरा कैफे' शुरू की योजना बनाई है। यहां लोगसूखा कचरा देकर चाय-नाश्ता और अन्य खाद्य सामग्री प्राप्त कर सकेंगे। शहर के पहले कचरा कैफे को लेकर नानाखेड़ा बस स्टैंड परिसर में करीब 2500 वर्ग फीट क्षेत्र का चयन भी किया जा चुका है। कचरा कैफे की शुरुआत जून में होना थी, लेकिन टेंडर रेट को लेकर मामला अटका हुआ है। शहर केपहले कचरा कैफे के लिए उज्जैनवासियों का इंतजारऔर लंबा हो गया। अधिकारियों के मुताबिक टेंडर मेंमिले रेट की समीक्षा की जा रही है।

यदि दर कम निकलती है तो दोबारा टेंडर जारी किए जाएंगे, वरना जोभी एजेंसी ज्यादा रॉयल्टी देने का प्रस्ताव देगी, उसे हीकैफे संचालन का अधिकार दे दिया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में एक माह का समय लग सकता है। निगम अधिकारी ने बताया कि कचरा कैफे में लोग प्लास्टिक, कागज, कार्डबोर्ड और अन्य सूखा कचरा जमा कर भोजन, नाश्ता या दैनिक उपयोग की वस्तुएं प्राप्त कर सकेंगे। निगम का लक्ष्य कचरे को अलग-अलग(सेग्रिगेट) करने की आदत विकसित करना है, जिससे रि-साइकलिंग और प्रोसेसिंग बेहतर हो सके। प्रदेश में सबसे पहले2025 में भोपाल में खुला था कचरा कैफेमध्यप्रदेश में सबसे पहले कचरा कैफे की शुरुआतअगस्त 2025 में भोपाल से हुई थी। भोपाल का सबसे पहला कचरा कैफे 10 नंबर मार्केट में खोला गया था।इसके बाद बिट्टन मार्केट और बोट क्लब जैसे अन्यव्यस्त इलाकों में भी इसे शुरू किया गया। इस अनूठीपहल (स्वच्छता समाधान केंद्र) का संचालनस्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जाता है।यहां लोग अपने घरों का सूखा कचरा, प्लास्टिक,ई-वेस्ट या रद्दी देकर उसके बदले में डिजिटल पॉइंट्सया जरूरत का सामान या खाना प्राप्त कर सकते हैं।

कैफे का संचालन स्वयं सहायता समूहों और सामाजिकसंस्थाओं द्वारा किया जाएगा। निगम का मानना है कि यहमॉडल शहर के स्वच्छता अभियान को नई दिशा देगा। कैफेकी स्थापना रॉयल्टी मॉडल होगी। इसमें नगर निगम किसी भीतरह से भुगतान नहीं करेगा। टेंडर होते ही तीन दिन के भीतरतीन माह की एडवांस रॉयल्टी जमा करना होगी। वहीं 50हजार की परफॉर्मेंस गारंटी निगम में देना होगी, जो टेंडरलेगा, उसे वहीं कचरे की लॉग बुक भी रखना होगी।

हेमशाही मठ के महंत उज्जैन यात्रा से लौटे, ग्रामीणों और युवाओं ने किया स्वागत

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उपखंड के हेमशाही मठ कपुरिया के महंत वीरमपुरी महाराज उज्जैन में महाकाल और ओंकारेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना के बाद फतेहगढ़ लौटे। उन्होंने सावन महीने में देश की सुख-समृद्धि और शांति के लिए कामना की थी। उनकी वापसी पर फतेहगढ़ में युवाओं और ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि महाराज ने सभी ग्रामीणों को बालिका शिक्षा पर जोर देने का संदेश दिया। उन्होंने देश की सुख-समृद्धि और शांति के लिए पूजा-अर्चना की कामना भी की। इस अवसर पर पूर्व सरपंच पृथ्वीराजसिंह, मोहनदान, गोपाल परिवार, रमेश दंत, तिलोक सिंह, टिकमसिंह, प्रकाश सिंह राजपुरोहित सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

हनुमान मंदिर हटाने के विरोध में प्रदर्शन, कंठाल चौराहे पर बजरंग दल ने किया चकाजाम

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • कंठाल चौराहे पर सिंहस्थ 2028 के चौड़ीकरण कार्य के दौरान हनुमान मंदिर हटाने की आशंका को लेकर हिंदू समाज और बजरंग दल ने विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने एक घंटे तक चकाजाम किया, जिसे निगम अधिकारियों के आश्वासन के बाद समाप्त किया गया। प्राचीन संकट मोचन हनुमान मंदिर को लेकर यह विवाद गहरा गया है। विकास कार्य के दौरान मंदिर हटाए जाने की आशंका के चलते देर रात हिंदू समाज, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। उन्होंने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया, महाआरती की और फिर विरोध प्रदर्शन करते हुए चकाजाम किया। बजरंग दल के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि शहर के विकास के नाम पर अब तक 25 से 30 मंदिर हटाए जा चुके हैं। उनका कहना है कि प्राचीन मंदिरों को लगातार हटाकर सनातन संस्कृति और हिंदू समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाई जा रही है।

संगठन ने मांग की कि यदि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाती है, तो वह सभी धार्मिक स्थलों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। बजरंग दल ने चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में किसी मंदिर के साथ छेड़छाड़ की गई या रात के समय कोई कार्रवाई की गई, तो अगले दिन शहर बंद कर उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस पूरे मामले में नगर निगम के अपर आयुक्त संतोष टैगोर ने बताया कि कंठाल चौराहे पर नाली निर्माण कार्य के दौरान कुछ तकनीकी दिक्कतें सामने आई थीं। इसी संबंध में मंदिर समिति, विश्व हिंदू परिषद और स्थानीय लोगों के साथ चर्चा की गई है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी पक्षों के साथ बैठक कर आपसी सहमति से निर्णय लिया जाएगा और उसके बाद ही आगे की कार्रवाई होगी। वहीं, मंदिर के पुजारी राजेश बैरागी ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी भी विकास कार्य में बाधा डालना नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता हुई तो उपलब्ध स्थान पर मंदिर को व्यवस्थित करने पर विचार किया जा सकता है, लेकिन मंदिर को वहां से हटाया नहीं जाना चाहिए। बैरागी ने बताया कि इस विषय पर होने वाली बैठक के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

विपक्षी नेताओं ने निगम की कार्रवाई पर उठाए सवाल

ठेले-गुमटियों पर घमासान : नेता प्रतिपक्ष-अपर आयुक्त में बहस

पीएम स्ट्रीट वेंडर योजना के हितग्राहियों के साथ मिमरोट पहुंची निगम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम मुख्यालय गुरुवार को उस समय गरमा गया, जब ठेले-गुमटियों के खिलाफ चल रही कार्रवाई को लेकर नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट और अपर आयुक्त आकाश सिंह के बीच तीखी बहस हो गई। पीएम स्ट्रीट वेंडर योजना के कई हितग्राहियों के साथ निगम पहुंचीं मिमरोट ने अधिकारियों से सवाल किया कि जब सरकार ने स्ट्रीट वेंडरों को प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि योजना के तहत ऋण देकर रोजगार शुरू कराया है, तो फिर उनकी गुमटियां हटाकर उन्हें दोबारा बेरोजगार क्यों किया जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि निगम की कार्रवाई निष्पक्ष नहीं है और कई स्थानों पर राजनीतिक संरक्षण के आधार पर चयनात्मक कार्रवाई की जा रही है। उनका कहना था कि कुछ लोगों के अतिक्रमण को नजरअंदाज किया जा रहा है, जबकि गरीब और छोटे कारोबारियों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि कार्रवाई से पहले सभी हितग्राहियों का सत्यापन किया जाए और वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए।

नियमानुसार कार्रवाई-इस दौरान अपर आयुक्त आकाश सिंह ने स्पष्ट किया कि नगर निगम की कार्रवाई पूरी तरह नियमानुसार की जा रही है। उन्होंने कहा कि सड़क, फुटपाथ और सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से रखी गई गुमटियों और ठेलों के खिलाफ अभियान हाईकोर्ट के निर्देशों, यातायात व्यवस्था और शहर के सुचारु संचालन को ध्यान में रखते हुए चलाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पीएम स्ट्रीट वेंडर योजना के तहत ऋण मिलने का अर्थ यह नहीं है कि कोई भी व्यक्ति कहीं भी स्थायी रूप से अतिक्रमण कर सकता है।

करीब कुछ समय तक चली बहस के दौरान दोनों पक्षों ने अपने-अपने तर्क रखे। नेता प्रतिपक्ष ने प्रभावित स्ट्रीट वेंडरों को राहत देने और कार्रवाई पर पुनर्विचार की मांग की, जबकि निगम अधिकारियों ने दोहराया कि नियमों के विरुद्ध किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और अभियान आगे भी जारी रहेगा।

इस घटनाक्रम के बाद नगर निगम मुख्यालय में काफी देर तक निगम में हलचल राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल बनी रही। अब देखना होगा कि निगम प्रभावित स्ट्रीट वेंडरों के लिए कोई वैकल्पिक समाधान निकालता है या अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूर्ववत जारी रहती है।

मेट्रो लाइन निकालने की आशंका पर बढ़ा विरोध, हजारों परिवारों ने जताई चिंता

इंदौर मेट्रो के प्रस्तावित रूट को लेकर रहवासी संघ अधिकारियों से मिले

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर मेट्रो परियोजना के प्रस्तावित रूट को लेकर नया विवाद सामने आया है। गोयल नगर और आसपास की कॉलोनियों के रहवासियों ने आरोप लगाया है कि पहले से तय भूमिगत मेट्रो रूट से हटकर कॉलोनी क्षेत्र में मिट्टी परीक्षण कराया जा रहा है। इससे लोगों में आशंका है कि मेट्रो लाइन का मार्ग बदला जा सकता है। इसी मुद्दे को लेकर रहवासी संघ के प्रतिनिधियों ने मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर पूर्व निर्धारित रूट को ही बरकरार रखने की मांग की। रहवासी संघ का कहना है कि मेट्रो की भूमिगत लाइन पहले बंगाली चौराहे से कनाडिया रोड स्थित 200 फीट चौड़ी सडक़ होते हुए पलासिया तक प्रस्तावित थी। उनका दावा है कि इस रूट पर अब तक न तो

मिट्टी परीक्षण किया गया है और न ही निर्माण संबंधी कोई गतिविधि शुरू हुई है। इसके विपरीत गोयल नगर के भीतर अस्पताल के आसपास, सर्विस रोड, पानी की टंकी और आवासीय मकानों के समीप मिट्टी परीक्षण कराया गया है, जिससे क्षेत्र के लोगों में रूट परिवर्तन की आशंका गहरा गई है। रहवासियों का तर्क है कि यदि मेट्रो लाइन पूर्व निर्धारित 200 फीट चौड़ी सडक़ के मार्ग से बनाई जाती है तो बिना किसी बड़े भूमि अधिग्रहण, तोडफ़ोड़ या विस्थापन के परियोजना को आसानी से पूरा किया जा सकता है। जबकि कॉलोनी के बीच से लाइन ले जाने की स्थिति में संपत्ति अधिग्रहण, कानूनी विवाद और विस्थापन जैसी समस्याएं सामने आएंगी।

नागरिक प्रभावित-रहवासी संघ के अनुसार यदि मेट्रो का रूट बदला गया तो खजराना, बंगाली चौराहा, गोयल नगर, साईनाथ कॉलोनी, टेलीफोन नगर, तिलक नगर और पलासिया क्षेत्र के तीन से पांच हजार नागरिक सीधे प्रभावित होंगे। संघ ने दावा किया कि बंगाली चौराहे पर प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन के लिए इंदौर विकास प्राधिकरण पहले ही भूमि मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को सौंप चुका है और वहीं निगम का कार्यालय भी संचालित हो रहा है।

'दैनिक इंदौर संकेत' की खबर का बड़ा असर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के निजी स्कूलों में यूडायस कोड की समस्या को प्रमुखता से उठाने के बाद बड़ा प्रशासनिक कदम सामने आया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय (पूर्व में मानव संसाधन विकास मंत्रालय) ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 75 से अधिक निजी स्कूलों के यूडायस कोड जारी कर दिए हैं, जिससे हजारों विद्यार्थियों और स्कूल प्रबंधन को बड़ी राहत मिली है। गौरतलब है कि 'दैनिक इंदौर संकेत' ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित कर बताया था कि मान्यता प्राप्त होने के बावजूद दर्जनों निजी स्कूलों को यूडायस कोड नहीं मिलने से विद्यार्थियों की ऑनलाइन प्रोफाइल नहीं बन पा रही थी। पुराने स्कूलों से

यूडायस के फेर में फंसे 75 से अधिक निजी स्कूल, हजारों विद्यार्थियों का भविष्य अधर में

टीसी लेने के बाद भी नए स्कूलों में रिकॉर्ड अपडेट नहीं हो रहा था, जिससे विद्यार्थियों के शैक्षणिक रिकॉर्ड और अन्य प्रक्रियाएं प्रभावित होने की आशंका थी।

खबर के बाद हुई त्वरित कार्रवाई - खबर प्रकाशित होने के बाद संबंधित स्तर पर मामले को गंभीरता से लिया गया। सूत्रों के अनुसार, लंबित मामलों की समीक्षा के बाद पात्र निजी स्कूलों के यूडायस कोड जारी करने की प्रक्रिया तेज की गई और 75 से अधिक स्कूलों को कोड आवंटित कर दिए गए।

ऑटो चालक को कुचलकर मारने वाले हाथी को मिली सशर्त जमानत, महावत को भेजा जेल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● ऑटो चालक को कुचलकर मारने वाले हाथी को सशर्त जमानत मिल गई है। वहीं, महावत को जेल भेज दिया गया है। हाथी को जमानत वन विभाग से मिली है। लेकिन वह शहर में नहीं घूम सकेगा।

राजनगर में गुड़ खिलाने के दौरान ऑटो चालक विजय होलकर को सूंड से पटककर पैरों से कुचलने वाले हाथी को जमानत मिल गई है। यह जमानत वन विभाग ने दी है। इसमें कई शर्तें लगाई गई हैं। जमानत के पहले वन विभाग ने कई दस्तावेज जांचे।

रेंजर संगीता ठाकुर और वन रक्षक आशीष कुशवाह ने जमानत में कहा कि हाथी अभी इंदौर से बाहर नहीं जाएगा। कोर्ट का फैसला आने तक हाथी शहर में ही रहेगा। लेकिन हाथी शहर में नहीं घूमेगा और सार्वजनिक स्थलों पर नहीं जाएगा। वन विभाग ने हाथी को इंदौर लाने का ट्रांजिट परमिट, अनुमति अवधि आदि दस्तावेज भी जांचे। उधर जिला कोर्ट से

इस मामले में महावत उमेश गोस्वामी और हाथी के मालिक संदीप निर्मोही को जमानत नहीं मिली है। दोनों को ही जिला कोर्ट ने जेल भेज दिया है। वहीं हाथी को जहां रखा गया है, वहां उसे भरपूर खाना दिया जा रहा है।

गैस लाइन ब्लास्ट केस में एसडीएम धनगर का झूठा शपथपत्र, हाईकोर्ट नाराज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के विजयनगर में 23 जून को अवंतिका गैस लाइन में हुए विस्फोट में बड़ा झोल हो गया है। इस मामले में हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी पीड़ित के उपचार की राशि नहीं दी गई। वहीं एसडीएम ने झूठा शपथपत्र दिया कि भुगतान हो गया।

विजयनगर इलाके के वार्ड 31 में गैस लाइन के ऊपर बोरिंग करने की कोशिश के दौरान विस्फोट हो गया था। इस हादसे में चार लोग झुलस गए थे। मामले को लेकर अधिवक्ता रितेश इनानी ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। इसमें सभी घायलों का मुफ्त इलाज कराने की मांग की गई थी। हादसे में गंभीर रूप से घायल झिनी झाला को इलाज के लिए अहमदाबाद के जायडस अस्पताल भेजा गया, जहां इलाज का खर्च अब 15 लाख रुपए से ज्यादा पहुंच गया है। एमपी हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने बताया कि जायडस अस्पताल लगातार इलाज के खर्च के भुगतान को लेकर पत्र भेज रहा है। लेकिन सुनवाई तक 15 लाख रुपए के बिल में से एक रुपए का भी भुगतान नहीं किया गया है। इसके बावजूद एसडीएम जूनी इंदौर घनश्याम धनगर ने कोर्ट में शपथपत्र देकर बताया कि भुगतान हो चुका है। शपथपत्र के बिंदु 4 में एसडीएम ने लिखा है कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार झिनी झाला के इलाज की पूरी व्यवस्था कर दी गई है।

रिसाइकल की व्यवस्था नहीं, ट्रेंचिंग ग्राउंड पर डम्प करना पड़ रहा कचरा, तीन साल में डेढ़ गुना बढ़ा गीला कचरा

हर दिन 500 से 800 टन गीला कचरा उगल रहा इंदौर, कचरा निपटान का बढ़ गया संकट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में अब गीले कचरे का बढ़ता बोझ नगर निगम के लिए नई चुनौती बन गया है। शहर से प्रतिदिन 750 से 850 टन तक गीला कचरा निकल रहा है, जबकि मौजूदा बायो-सीएनजी प्लांट इसकी पूरी मात्रा का निस्तारण नहीं कर पा रहे हैं।

परिणामस्वरूप प्रतिदिन करीब 200 से 250 टन गीला कचरा ट्रेंचिंग ग्राउंड पर डंप करना पड़ रहा है। स्थिति को देखते हुए नगर निगम ने दो नए बायो-सीएनजी प्लांट स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव के अनुसार अगले छह माह में प्लांट निर्माण की दिशा में ठोस कदम उठाने का लक्ष्य रखा गया है। नगर निगम स्वास्थ्य समिति

प्रभारी अश्विनी शुक्ल के नगर निगम के अनुसार वर्तमान तीन बायो-सीएनजी प्लांट प्रतिदिन करीब 550 टन गीले कचरे का ही प्रसंस्करण कर पा रहे हैं। शेष कचरे के निस्तारण अनुसार वर्ष 2022 तक शहर से प्रतिदिन 500 से 650 टन गीला कचरा निकलता था।

वर्ष 2023 के बाद शहर के लिए दो नए प्लांट स्थापित किए जाएंगे। इनके शुरू होने के बाद शहर के बढ़ते गीले कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण में राहत मिलने की उम्मीद है। प्रतिदिन पहुंच गई है। बारिश और सर्दियों के मौसम में यह आंकड़ा नियमित रूप से 800 टन से अधिक रहता है।

302 करोड़ की केंद्रीय मदद से सबसे बड़ी ड्रेनेज सुधार योजना को मिली रफ्तार

40 बस्तियों में बदलेगी 30 साल पुरानी ड्रेनेज लाइन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● केंद्र सरकार के अर्बन चैलेंज फंड से लगभग 302.70 करोड़ रुपए की सहायता मिलने के बाद नगर निगम ने 30 साल पुरानी जर्जर ड्रेनेज लाइनों को बदलने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इस परियोजना के पूरा होने पर हजारों परिवारों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल मिलने का रास्ता साफ होगा।

शहर के पुराने हिस्सों में समय के साथ ड्रेनेज पाइपलाइनें कमजोर हो चुकी हैं। कई स्थानों पर रिसाव होने से सीवरेज का पानी पेयजल पाइपों तक पहुंच जाता है, जिससे बरसात के मौसम में सबसे ज्यादा परेशानी होती है। भागीरथपुरा सहित कई क्षेत्रों में दूषित पानी की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। इसी चुनौती का स्थायी समाधान निकालने के लिए नगर निगम ने जल प्रदाय और सीवरेज

40 नई पानी की टंकियों का भी होगा निर्माण

योजना के तहत शहर में 40 नई पानी की टंकियों का निर्माण, लगभग 1600 किलोमीटर पुरानी पाइपलाइन का प्रतिस्थापन तथा जर्जर ड्रेनेज नेटवर्क को नए सिरे से विकसित किया जाएगा। इससे न केवल दूषित पानी की समस्या दूर होगी, बल्कि तेजी से बढ़ती आबादी की जरूरतों के अनुरूप जलापूर्ति व्यवस्था भी अधिक मजबूत और भरोसेमंद बनेगी।

नेटवर्क के आधुनिकीकरण की योजना तैयार व्यापक की है। इस परियोजना की कुल लागत 1214.54 करोड़ रुपए आंकी गई है। इसमें 907.74 करोड़ रुपए जल प्रदाय व्यवस्था को आधुनिक बनाने और 305.80 करोड़ रुपए ड्रेनेज नेटवर्क के उन्नयन पर खर्च किए जाएंगे। परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने अर्बन चैलेंज फंड के तहत लगभग 302.70 करोड़ रुपए की सहायता स्वीकृत की है, जबकि शेष राशि राज्य सरकार और नगर निगम द्वारा वहन की जाएगी।

डीपीआर हो रही तैयार-नगर निगम के जल प्रदाय विभाग के प्रभारी अरविंद शर्मा के अनुसार, परियोजना की विस्तृत रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है। डीपीआर स्वीकृत होते ही राज्य शासन से अंतिम मंजूरी लेकर टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। निर्माण कार्य चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा ताकि लोगों को कम से कम असुविधा हो।

दबंग दुनिया पर सीजीएसटी की 48 करोड़ रुपए की डिमांड

रिपोर्टर, कर्मचारी ऐलोरा टोबेको के लिए कर रहे थे काम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● दबंग दुनिया अखबार और किशोर वाधवानी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सेंट्रल जीएसटी जॉइंट कमिशनर ने आदेश पारित कर दबंग दुनिया पब्लिकेशन प्रा. लि. पर 48 करोड़ की रिकवरी निकाली है। किशोर वाधवानी के साथ ही विभिन्न कंपनियों व अन्य पक्षकारों पर सेंट्रल जीएसटी विभाग ने 1946 करोड़ (151.54 करोड़ जीएसटी और 1794.54 करोड़ सेस) की डिमांड निकाली हुई है। अब दबंग दुनिया पब्लिकेशन प्रा. लि. (डीडीपीपीएल) पर 48 करोड़ की रिकवरी निकाली गई है।

साथ ही 75 हजार की पेनल्टी भी लगाई है। वहीं इस रिकवरी के खिलाफ संस्थान हाईकोर्ट इंदौर गया था। लेकिन फिर याचिका विड्रा होने से हाईकोर्ट ने केस को खारिज कर दिया।

जॉइंट कमिशनर सेंट्रल जीएसटी योगेश पांडुरंग ने 168 पेज का आदेश जारी किया है। फर्जी सर्कुलेशन व विज्ञापन के जरिए 11.66 करोड़ की आय दिखाई गई। इसके चलते इन पर 48 करोड़ की पेनल्टी (3.68 करोड़ जीएसटी, सेस 65 लाख व सेस 2: 44.50 करोड़) बनती है। यह सेंट्रल व स्टेट जीएसटी एक्ट 122 की धारा 2 (बी) और राज्यों को कंपनसेशन एक्ट 2017 की धारा 11 के तहत लगाई गई।

डीडीपीएल और ऐलोरा दोनों आपस में जुड़ीं-आदेश में माना गया कि डीडीपीएल और ईटीसीएल (ऐलोरा टोबेको) दोनों आपस में लिंक्ड हैं। दबंग दुनिया के रिपोर्टर और कर्मचारियों के नाम पर फर्जी कंपनियां हैं। इसी अखबार के वाहनों का प्रेस कार्ड का उपयोग ऐलोरा के कामों के लिए किया गया है।

अपनी रवानगी से पूर्व डीपीसी का एक निर्णय सीईओ और कलेक्टर को कोर्ट में पार्टी बना गया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आपने आपको बहुत ईमानदार साबित करने वाले पूर्व जिला परियोजना समन्वयक संजय मिश्र ने इंदौर से ट्रांसफर होने से पहले ही एक शिक्षक को नियम विरुद्ध हटाया जिसके चलते मामला कोर्ट में गया।

गौरतलब है कि सर्व शिक्षा अभियान की एक व्यवस्था में किसी शिक्षक को जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला समिति के द्वारा ही नियुक्त किया जाता है। जाहिर है कि जब इस शिक्षक को हटाया जाने की स्थिति में भी जिला कलेक्टर की अनुमति आवश्यक होती है। लेकिन अपने आपको चौकीदार साबित करने वाले डीपीसी संजय मिश्र ने बिना कलेक्टर की अनुमति से बाले-बाले ही शिक्षक को हटा दिया। वैसे तो अपने कार्यकाल में बहुत

से विवादित मामलों को लेकर चर्चित भी हुए। उनकी शिकायतें भी हुई, पहली बार उनके ही अधीनस्थ विकासखंड शिक्षा स्त्रोत समन्वयक और जनशिक्षकों ने मैदान पर उतर उनका विरोध किया।

बहरहाल **सब चोर मैं ईमानदार** की तर्ज कर पूरे कार्यकाल में डीपीसी ने अपनी कार्यालीन समिति की आड़ में बीआरसी द्वारा अस्वीकृत की गई निजी स्कूलों की मान्यता को पिछले दरवाजे से मान्यता दे दी। सूत्र यह जानकारी दे रहे है इसको लेकर भी कलेक्टर कार्यालय में एक शिकायत हुई है जिसको लेकर शीघ्र ही जांच के आदेश जारी हो सकते हैं।

पर्दे के पीछे की और दूसरी कहानी

जिला शिक्षा केंद्र के अतिविश्वनीय सूत्रों के अनुसार जिस शिक्षक को हटाया गया, उसे मान्यता और अन्य व्यवस्थाओं में '**ऊपरी और अदृश्य आदेश**' के तहत वसूली के लिए कहा गया था। जिस शिक्षक को यह काम दिया गया था उसके बारे में पूरा जिला शिक्षा केंद्र का कार्यालय जनता था लेकिन बड़े अधिकारियों से जुड़े होने के कारण सबने चुप्पी साध ली थी। सूत्र यह भी बताते है कि जैसे ही यह अवैध वसूली की जानकारी सीईओ जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन को लगी वैसे उन्होंने तत्काल एक्शन लेकर इस पर पूछताछ की। ऐसे में जब मामला उजागर हुआ, तब सभी '**ऊपरी और अदृश्य आदेश**' जारी करने वाले जिम्मेदारों ने इस पूरे मामले से पल्ला झाड़ते हुए सारा दोष उक्त शिक्षक पर लगा दिया। ऐसी स्थिति में उस शिक्षक को हटा दिया गया। बहरहाल व्यवस्था से हटाए आहत शिक्षक ने कोर्ट की शरण ली और कोर्ट ने उक्त शिक्षक को नियम विरुद्ध हटाए जाने के मामले में सीईओ और कलेक्टर को पार्टी बनाते हुए जवाब मांगा है। हालांकि दो तारीखों के बाद भी अभी तक जवाब दाखिल नहीं हों पाया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।